www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 140 || लखनऊ
गुरुवार
20 अगस्त 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 05:40
सूर्यास्त: 06:39
अधिकतम: 33°00
न्यूनतम: 28°00

» पेज 07

विशेष समाचार | परीक्षा की शुचिता और नौकरी... » पेज 04 | त्योहारों को लेकर पुलिस अलर्ट... » पेज 06 | आएशा खान ने शेयर कीं सगाई...

एससी ने कहा- टेक्नोलॉजी समझने वाले अफसर भर्ती करें, उन्हें बार-बार ट्रांसफर न करें

नीट का सिस्टम फूलप्रूफ, तोड़ना मुश्किल : सरकार

एनटीए ने 4 ऐलान किए

■ नई परीक्षा टीम बनेगी- सरकार ने एनटीए में बड़े बदलावों का ऐलान किया है। परीक्षा टीम को नए सिरे से बनाया जाएगा और 600 एक्सपर्ट हटाए गए हैं। साइबर सिक्योरिटी, साइकोमेट्रिक्स और पेपर सेटिंग के निजी विशेषज्ञ जोड़े जाएंगे। 3 हफ्ते में 20-25 अधिकारी नियुक्त होंगे।

■ परीक्षा प्रोटोकॉल में बदलाव होंगे- परीक्षा प्रोटोकॉल भी बदले जाएंगे। सुरक्षित कमरे, बाहरी नेटवर्क से अलग सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा कराने की व्यवस्था सख्त होगी। एनटीए की प्रक्रियाओं का ऑडिट भी कराया जाएगा।

■ ऑफिस नए कैंपस में शिफ्ट होंगे- एनटीए के कार्यालयों को नए परिसर में शिफ्ट किया जाएगा। सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को दी जाएगी। दिल्ली में एनटीए का ऑफिस ओखला से मिंटो रोड ले जाने की तैयारी है।

■ शिक्षा मंत्री जोशी ने बैठक ली- शिक्षा मंत्री प्र''ाद जोशी ने बैठक में परीक्षा के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा मजबूत करने के निर्देश दिए। प्रश्नपत्रों की जांच के लिए 4-स्तरीय सिस्टम लागू होगा।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत बताई। अदालत ने एनटीए से कहा कि वह यूपीएससी की तर्ज पर ऐसा मजबूत और भरोसेमंद सिस्टम तैयार करे, जिसमें परीक्षा कराने का अनुभव केवल अधिकारियों के साथ ट्रांसफर होकर खत्म न हो, बल्कि संस्था के भीतर बना रहे।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। NEET परीक्षा व्यवस्था को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि NEET परीक्षा का मौजूदा सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें सेंध लगाना आसान नहीं है।

» (शेष पेज 06 पर)

2024 में बनी थी राधाकृष्णन कमेटी

NEET और अन्य परीक्षाओं में सामने आई गड़बड़ियों के बाद केंद्र सरकार ने 22 जून 2024 को पूर्व ISRO प्रमुख के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। इस समिति को NTA की परीक्षा व्यवस्था में जरूरी सुधार, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, पेपर लीक और परीक्षा में होने वाली अन्य गड़बड़ियों से जुड़े पहलुओं का अध्ययन करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

केंद्र ने कहा- नीट पेपर की सुरक्षा के कई स्तर, 10 दलीलें दीं

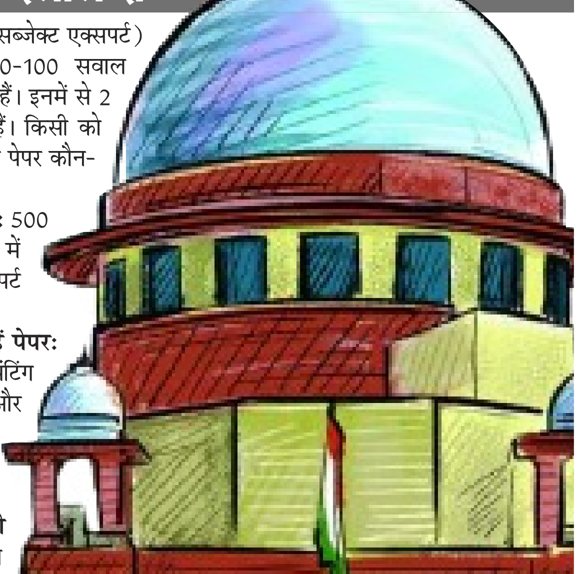

1. प्रश्नबैंक: कई मॉडरेटर (सब्जेक्ट एक्सपर्ट) प्रश्न बैंक बनाते हैं। फिर 100-100 सवाल चुनकर 4 अलग पेपर तैयार होते हैं। इनमें से 2 पेपर NTA महानिदेशक चुनते हैं। किसी को पहले से पता नहीं होता कि अंतिम पेपर कौन-सा होगा।

2. 13 भाषाओं में प्रश्न बैंक: 500 सवालों का प्रश्न बैंक 13 भाषाओं में तैयार होता है। ट्रांसलेशन एक्सपर्ट करते हैं।

3. 2 प्रिंटिंग प्रेस में छपते हैं पेपर: पेपर सीलबंद कवर में दो तय प्रिंटिंग प्रेस भेजे जाते हैं। वहां CCTV और CISF की निगरानी रहती है। प्रिंटर को भी पता नहीं होता कि पेपर किस परीक्षा का है।

4. बॉक्स डिजिटल चाबी और कोड से खुलता है: पेपर ले जाने वाले व्यक्ति के पास डिजिटल चाबी होती है, लेकिन बॉक्स खोलने का कोड उसके पास नहीं होता। यह कोड एनटीए महानिदेशक की अनुमति से दिया जाता है।

5. पेपर लोहे के बक्से में रखते हैं: पेपर ऐसे लोहे के बॉक्स में रखे जाते हैं, जिसे बंद करने के बाद बिना लॉक तोड़े खोला नहीं जा सकता।

6. हर पैकेट में अलग क्रम वाले पेपर: 24 पेपर के पैकेट में सवालों का क्रम अलग-अलग होता है। पैकेट पर वॉटरमार्क नंबर, शहर, केंद्र और पैकेट नंबर दर्ज होता है।

7. पेपर स्ट्रॉन्ग रूम में रखे जाते हैं: पेपर के दो सेट अलग-अलग बैंकों के स्ट्रॉन्ग रूम में रखे जाते हैं। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होती है और संबंधित अधिकारी हस्ताक्षर करते हैं।

8. जीपीएस से ट्रैक होती है गाड़ी: बैंक से परीक्षा केंद्र तक पेपर ले जाने वाली गाड़ी में जीपीएस लगा होता है। उसकी छोटी से छोटी गतिविधि रिकॉर्ड होती है। पुलिस सुरक्षा में पेपर केंद्र तक पहुंचते हैं।

9. परीक्षा से पहले बॉक्स खोला जाता है: परीक्षा शुरू होने से कुछ घंटे पहले 2 छात्रों की मौजूदगी में बॉक्स खोला जाता है। इसकी वीडियोग्राफी भी होती है।

10. 24 छात्रों के लिए अलग पैकेट: हर कक्षा के 24 छात्रों के लिए अलग पैकेट होता है। कक्षा समन्वयक यह पैकेट छात्रों को देते हैं और छात्र खुद इसे खोलते हैं।

परीक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार उठते रहे सवाल

NEET परीक्षा में गड़बड़ी के मामले के बाद देशभर में परीक्षा प्रणाली और NTA की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठे थे। छात्रों और विभिन्न संगठनों ने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने, पेपर लीक रोकने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की थी।

नीट पेपर लीक मामले में 13 गिरफ्तार

NEET-UG परीक्षा में पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं को लेकर जांच एजेंसियां कार्रवाई कर रही हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) कर रही है।

NEET-UG परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। परीक्षा में करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। NTA के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना सामने आई थी। इसके बाद मामले को केंद्रीय एजेंसियों को सौंप दिया गया। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई और दोबारा परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया। इसके बाद 21 जून को NEET की री-एग्जाम आयोजित की गई।

युवाओं से सीधे जुड़ेंगे मोदी सरकार के मंत्री

'वन डे-वन यूनिवर्सिटी' कार्यक्रम की तैयारी

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। युवाओं और छात्रों से सीधे संवाद बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार एक नई पहल की तैयारी कर रही है। इसके तहत 'वन डे, वन यूनिवर्सिटी' कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। कार्यक्रम के तहत रोजाना एक केंद्रीय मंत्री किसी विश्वविद्यालय का दौरा करेंगे और वहां छात्रों से सीधे बातचीत करेंगे। इस दौरान मंत्री छात्रों की समस्याओं और चिंताओं को समझने के साथ-साथ देश से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उनकी राय जानेंगे। इसके अलावा युवाओं और छात्रों के लिए केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी भी दी जाएगी।

■ धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रहलाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई थी।

» (शेष पेज 06 पर)

तमिलनाडु में विधायकों को नई कार, ₹75 हजार भत्ता मिलेगा

महिला विधायक ने सदन में गाना गाकर धन्यवाद दिया

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

तमिलनाडु सरकार ने बुधवार को सभी विधायकों को नई सरकारी कार देने और वाहन के रखरखाव, ईंधन और ड्राइवर के खर्च के लिए हर महीने 75 हजार रुपए का भत्ता देने का ऐलान किया। विधानसभा में विधायकों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया। इसी दौरान TVK विधायक सिंधु ने तमिल सुपरस्टार और पूर्व मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन (MGR) की फिल्म 'पड़गोट्टी' का मशहूर गीत 'कोडुत्तदेलाम कोडुत्तान' गाकर मुख्यमंत्री विजय का आभार जताया। इस गाना का मतलब है- 'उसने सब कुछ दिया, किसके लिए दिया, किसी एक के लिए नहीं, पूरे समाज के लिए।' इसे टीएम सौंदरराजन ने गाया था।

■ विजय ने विधायकों के रखरखाव, ईंधन और ड्राइवर रखने के खर्च के लिए हर महीने 75 हजार रुपए देने की घोषणा की।

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

'आप' नेता सत्येंद्र जैन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने जल बोर्ड घोटाला मामले में पूर्व मंत्री और AAP नेता सत्येंद्र जैन समेत 4 आरोपियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, एक आरोपी और DJB कर्मचारी अंकित श्रीवास्तव को दो दिन के लिए ACB की हिरासत में भेजा गया है। ACB ने सभी को मंगलवार को गिरफ्तार किया था।

कम उम्र में हार्टअटैक के लिए सिर्फ घी-तेल जिम्मेदार नहीं

नई दिल्ली। युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक के मामलों पर अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन डॉ. प्रताप सी. रेड्डी ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशियाई लोगों में कम उम्र में हार्ट अटैक का खतरा अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा हो सकता है। डॉ. रेड्डी के मुताबिक 300 साल पहले एक अकाल पड़ा था जिसने जीन्स को बदल दिया था। अकाल का असर लोगों की आने वाली पीढ़ियों के शरीर पर पड़ा। इसी वजह से दक्षिण एशियाई लोगों में कम उम्र में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा है। डॉ. रेड्डी ने कहा कि जब उन्होंने देश में काम शुरू किया, तब भी बड़ी संख्या में युवा लोगों को हृदय संबंधी समस्याओं के साथ देखा जाता था।

वंदे मातरम के दो ही पैरा गाएगी कांग्रेस

नई दिल्ली। नई दिल्ली के इंदिरा भवन में बुधवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष खडगे ने की। बैठक में पूर्व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल समेत 88 नेता शामिल हुए। कांग्रेस ने वंदे मातरम् को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है।

कोलकाता की पांच मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 की मौत

इनमें 5 बांग्लादेशी नागरिक, इमारत में कई होटल, अब तक 80 का रेस्क्यू, 6 घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित पांच मंजिला बिल्डिंग में मंगलवार रात करीब 1:45 बजे आग लग गई। बिल्डिंग के अंदर कई होटल थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, इनमें 2 महिलाएं और एक 4 साल का बच्चा शामिल है। सभी बेहोशी की हालत में मिले थे। 6 लोग घायल हुए हैं। अब तक 80 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। आग लगने के वक्त होटलों में ज्यादातर लोग सो रहे थे। बिल्डिंग में धुआं भरने के कारण उनका दम घुटने लगा। मरने वालों में 4 भारतीय और 5 बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। आग की सूचना मिलते ही दमकल की 5 गाड़ियां, पुलिस और डिजास्टर मैनेजमेंट की टीमें मौके पर पहुंचीं। घने धुएं के कारण दमकलकर्मियों को ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने में काफी दिक्कत हुई। आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन इमारत अभी भी काफी गर्म है, इसलिए कूलिंग का काम जारी है।

जम्मू-कश्मीर भारत का अहम हिस्सा : सर्जियो गोर

आर्टिकल 370 हटने के बाद अमेरिकी राजदूत का पहला दौरा, सीएम उमर से मिले

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर को भारत का अहम हिस्सा बताया और क्षेत्र की खूबसूरती की सराहना की। धारा 370 हटाए जाने के बाद यह किसी अमेरिकी राजदूत का जम्मू-कश्मीर का पहला आधिकारिक दौरा बताया जा रहा है। श्रीनगर पहुंचने के बाद सर्जियो गोर ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की। दोनों के बीच क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बातचीत हुई। इस दौरान गोर ने जम्मू-कश्मीर की मौजूदा स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। सर्जियो गोर ने जम्मू-कश्मीर दौरे के दौरान कहा कि वह पहली बार इस क्षेत्र में आए हैं। उन्होंने कश्मीर की खूबसूरती की तारीफ करते हुए इसे बेहद सुंदर जगह बताया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को भारत का अहम हिस्सा बताते हुए क्षेत्र के महत्व पर भी बात की। उनके इस बयान को भारत और अमेरिका के बीच संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिकी राजदूत ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली और स्थानीय सरकार ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए काफी काम किया है। गोर ने संकेत दिया कि जम्मू-कश्मीर की मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए अमेरिका की ओर से अपने नागरिकों के लिए जारी की जाने वाली ट्रैवल एडवाइजरी में इस स्थिति को ध्यान में रखा जाएगा। हालांकि, उन्होंने ट्रैवल एडवाइजरी में किसी तत्काल बदलाव को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की। श्रीनगर दौरे के दौरान अमेरिकी राजदूत ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान जम्मू-कश्मीर की स्थिति समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

अमेरिका की अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी

- **1989 के बाद :** घाटी में अशांति शुरू होने के बाद से लेवल-4 यानी यात्रा न करें, चेतावनी जारी की। इसे समय-समय पर अपडेट किया जाता है।
- **मार्च 2019 :** जम्मू-कश्मीर न जाने की सलाह दी थी।
  जुलाई 2024 : जम्मू-कश्मीर को कड़े 'लेवल 4' प्रतिबंधों के तहत बनाए रखा गया।
- **अप्रैल 2025 :** पहलगाम हमले के एक दिन बाद 'लेवल 4 : डू नॉट ट्रैवल' एडवाइजरी को और सख्ती के साथ अपडेट किया।

उमर बोले- राज्य को लेकर बातचीत का मौका मिला

उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'हमारी बैठक बहुत अच्छी रही। हमें दोनों देशों के बीच संबंधों पर चर्चा करने का मौका मिला, लेकिन विशेष रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया कि अमेरिका जम्मू और कश्मीर के मामले में क्या कर सकता है।

सम्मान : सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बढ़ती उम्र का मतलब अपमान-असुरक्षा नहीं

बच्चों को प्रॉपर्टी से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार कहा कि बुजुर्ग माता-पिता को अपने घर में सम्मान और सुरक्षा के साथ रहने का अधिकार है। अगर बेटे या बहू का घर में रहना बुजुर्ग के भरण-पोषण या सुरक्षा में बाधा बन रहा है, तो वह उन्हें अपने बच्चों को घर से बेदखल कर सकते हैं।' जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब अपमान या असुरक्षा के साथ रहना नहीं हैं। सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कितना सम्मान और सुरक्षा का व्यवहार करता है।सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश लखनऊ के रवि कांत गुप्ता से जुड़े मामले में सुनाया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसमे अपने बेटे और बहू को घर से निकालने के SDM और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द कर दिया था। रवि कांत गुप्ता लखनऊ के विकास नगर में रहते हैं। उनकी 81 साल की मां को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहना पड़ा था। आरोप था कि उनके बेटे यानी गुप्ता के पोते ने उन्हें घर में रहने नहीं दिया।

2021 के फैसले का भी दिया हवाला

सुप्रीम कोर्ट ने एस. वनिता बनाम डिप्टी कमिश्नर (2021) के फैसले का भी हवाला दिया। इसमें कोर्ट ने माना था कि वरिष्ठ नागरिक के भरण-पोषण और सुरक्षा के लिए जरूरी होने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है। कोर्ट ने कहा कि यही कानूनी स्थिति बाद के समटोला देवी बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (2025) और कमलकांत मिश्रा बनाम एडिशनल कलेक्टर (2025) मामलों में भी दोहराई गई।

ट्रिब्यूनल को सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2007 के कानून की धारा 7 के तहत मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं। धारा 8 के तहत उन्हें कुछ मामलों में सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां हासिल हैं। वहीं, धारा 27 सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को सीमित करती है। ऐसे में कानून के उद्देश्य को पूरा करने के लिए ट्रिब्यूनल जरूरी और सहायक आदेश जारी कर सकता है।

मराठी नहीं जानने वाले महाराष्ट्र में ऑटो- टैक्सी नहीं चला पाएंगे

ट्रांसपोर्ट मंत्री बोले- पहले नोटिस देंगे, 3 महीने में नहीं सीखे तो लाइसेंस रद्द होगा

अभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। मराठी भाषा नहीं जानने वाले ड्राइवर अब महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे। राज्य में 20 अगस्त से उन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू होगा, जिनके पास मराठी का 'वर्किंग नॉलेज' यानी कामचलाऊ भाषा का ज्ञान नहीं है। यह अभियान पूरे राज्य में एक महीने तक चलेगा। ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा। सेवा सारथी ऑटो-रिक्शा टैक्सी एंड ट्रांसपोर्ट यूनियन के नेता डीएम गोसावी ने कहा कि सरकार ने मराठी का वर्किंग नॉलेज होना जरूरी कर दिया है।

> मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रवि गायकवाड़ पूरे महाराष्ट्र में इस एक महीने के अभियान की निगरानी करेंगे। आरटीओ की फ्लाइंग स्क्वॉड ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों की जांच करेंगी और नए नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, यह देखेंगी। जांच के दौरान वेरिफिकेशन की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाएगी।

» (शेष पेज 06 पर)

विदेशी कंपनियों की मांग के अनुरूप युवाओं को दिया जाएगा प्रशिक्षण, प्रशिक्षित युवाओं को पारदर्शी तरीके से अंतर्राष्ट्रीय रोजगार से जोड़ा जाएगा

यूपी के युवाओं को मिलेंगे वैश्विक रोजगार के अवसर

गठन

- विदेशी कंपनियों की मांग के अनुरूप युवाओं को दिया जाएगा प्रशिक्षण, प्रशिक्षित युवाओं को पारदर्शी तरीके से अंतर्राष्ट्रीय रोजगार से जोड़ा जाएगा
- 35 प्रमुख सेक्टरों में 1,300 से अधिक जॉब रोल में दिया जा रहा कौशल प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक रोजगार बाजार से जोड़ने की दिशा में लगातार नए कदम उठा रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन में 'इंटर-नेशनल एम्पलॉयमेंट सेल' का गठन किया गया है। यह प्रकोष्ठ विदेशों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी जुटाने के साथ ही विदेशी कंपनियों की मांग के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षण दिलाने और उन्हें पारदर्शी तरीके से अंतर्राष्ट्रीय रोजगार से जोड़ने का कार्य करेगा। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य प्रदेश के युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा प्रतिभा और क्षमता के मामले में किसी से पीछे नहीं हैं। इंटरनेशनल एम्पलॉयमेंट सेल के माध्यम से हमारे प्रशिक्षित युवाओं को विदेशों में रोजगार के अवसरों से जोड़ने की प्रभावी व्यवस्था तैयार की जा रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप सम्मानजनक रोजगार मिले और वे वैश्विक स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करें।

प्रशिक्षित युवाओं को वैश्विक रोजगार बाजार से जोड़ने पर विशेष जोर

मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत 35 प्रमुख सेक्टरों में 1,300 से अधिक जॉब रोल के लिए युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब प्रशिक्षित युवाओं को वैश्विक रोजगार बाजार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

कौशल विकास मिशन में 'इंटरनेशनल एम्पलॉयमेंट सेल' गठित

- विदेशों में रोजगार की मांग के अनुरूप तैयार होगा युवाओं का डेटाबेस, हर 15 दिन में 'मिशन रोजगार सेल' के साथ होगी बैठक और समन्वय
- भविष्य में विदेशों में आने वाली नौकरियों का पूर्व आकलन करेगा सेल, रोजगार की मांग के अनुरूप नए प्रशिक्षण कार्यक्रम किए जाएंगे शुरू
- इन्वेस्ट यूपी के सहयोग से विदेशों में कुशल श्रमिकों की मांग का होगा अध्ययन, रोजगार से वंचित प्रशिक्षित युवाओं को विदेशों में रोजगार से जोड़ने को प्राथमिकता

तुर्कमेनिस्तान की महिला से होटल में मिलने गए थे ठग

8 साल से 5 युवतियों से देह व्यापार करवा रही

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के गोमतीनगर के विकासखंड-3 स्थित होटल क्रिस्टेलिया में खुद को विदेश मंत्रालय का अधिकारी बताकर पहुंचे आरोपियों से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी अभिनव और शिवम जिस तुर्कमेनिस्तान निवासी रोजा की तलाश में होटल पहुंचे थे, वह करीब 10 साल से लखनऊ में रह रही है।

भारत में रहकर सेक्स रैकेट चलाने का काम करती है। वह तुर्कमेनिस्तान व उज्बेकिस्तान की लड़कियों को मेडिकल वीजा पर भारत लाती है। आरोप है कि वह करीब आठ साल से अपने साथ लाई गईं पांच युवतियों से देह व्यापार करा रही थी। पुलिस अब रोजा समेत नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। वहीं आरोपियों के पास मिले 478 विजिटिंग कार्ड, 14 डेबिट-क्रेडिट कार्ड और दो चेकबुक की भी जांच की जा रही है।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि रोजा ने उन पांचों युवतियों के पासपोर्ट अपने कब्जे में ले रखे थे। इनमें से एक युवती जिसका नाम दुनिया है, उसने शिवम को इसकी जानकारी दी थी। जिसके दोनों ने प्लान के तहत छापेमारी की। पुलिस अब रोजा के साथ ही उस विदेशी महिला की भी तलाश कर रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि रोजा वास्तव में होटल क्रिस्टेलिया में ठहरी थी या नहीं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, फरार आरोपी को पकड़ने के लिए तीन टीमें लगाई गई हैं।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में 50 फीट ऊंचे झूले की ट्रॉली टूटी

लखनऊ । लखनऊ के पॉश इलाके में मंगलवार रात सावन महोत्सव के दौरान 50 फीट ऊंचे चलते झूले की ट्रॉली टूट गई। ट्रॉली पांच-छह ट्रॉलियों से टकराती हुई नीचे आई। हादसे में भाई-बहन समेत 5 बच्चे घायल हो गए। एक बच्ची के मुंह से खून आने लगा। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें तीन की हालत गंभीर है। हादसे का डराने वाला वीडियो भी सामने आया।

डिप्टी सीएम मिले फार्मासिस्ट भर्ती के अभ्यर्थी

लखनऊ । लखनऊ में फार्मासिस्ट भर्ती की सीटें बढ़ाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने बुधवार को डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से मुलाकात की। अभ्यर्थियों ने भर्ती में खाली पदों की संख्या के आधार पर सीटें बढ़ाने की मांग रखी।

अभ्यर्थियों ने कहा कि विभाग में फार्मासिस्ट के कई पद रिक्त हैं। ऐसे में भर्ती की सीटें बढ़ाई जाएं, ताकि अधिक अभ्यर्थियों को नौकरी का अवसर मिल सके।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने बताया कि इस मामले में डीजी हेल्थ और प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन से पहले ही बात की जा चुकी है।

जहरीला पदार्थ खाने से ज्वेलर्स की मौत

दुबग्गा। लखनऊ के काकोरी कस्बे में जहरीला पदार्थ खाने से 30 वर्षीय स्वर्णकार अमित सोनी की मौत हो गई। बुधवार को जहरीला पदार्थ खाने के बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काकोरी ले गए। वहां से डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए बलराम अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही अमित ने दम तोड़ दिया।

उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन को बढ़ावा

क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र को एनएबीएल और एफएसएसएआई एकीकृत मान्यता प्राप्त

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत संचालित क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र (आर-फ्रैक), लखनऊ की प्रयोगशाला को 17 अगस्त, 2026 से NABL(परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड)एवं FSSAI Integrated Accreditation (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण)प्राप्त हो गया है। यह जानकारी आर0 फ्रैंक(क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है और बताया गया है कि यह उपलब्धि प्रदेश में खाद्य गुणवत्ता एवं सुरक्षा के क्षेत्र में परीक्षण सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आर फ्रैंक द्वारा यह भी जानकारी दी गयी है कि यह उपलब्धि माननीय उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य

जी के दिशा-निर्देशन तथा श्री बी एल मीणा, अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के मार्गदर्शन में केन्द्र द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

यह सुविधा विशेष रूप से उन किसानों एवं उद्यमियों के लिए उपयोगी होगी, जो अपने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहुंचाना चाहते हैं। परीक्षण रिपोर्टों के माध्यम से APEDA (कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण)एवं AgMark(कृषि उपज प्रमाणी-करण चिह्न)से संबंधित गुणवत्ता आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता मिलेगी।

मान्यता प्राप्त होने से प्रदेश के किसानों, कृषक उत्पादक संगठनों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों एवं उद्यमियों को अपने उत्पादों का वैज्ञानिक एवं विश्वसनीय गुणवत्ता परीक्षण कराने की सुविधा मिलेगी। इससे उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन को बढ़-ावा मिलेगा।

साइबर अपराध के बढ़ते खतरों और उनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई

साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्कता जरूरी : महाना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा के मा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा प्रत्येक व्यक्ति, संस्था और जनप्रति-निधि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। साइबर अपराधी लगातार नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में जागरूकता और सतर्कता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि विधायकों को स्वयं साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने के साथ-साथ अपने क्षेत्र की जनता को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए।

इस अवसर पर मा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि उनके कार्यकाल के पहले वर्ष में ही अलग-अलग क्षेत्रों के विधायकों को बुलाकर उनसे संवाद किया गया।

उन्होंने कहा कि साढ़े चार वर्ष के कार्यकाल में विधानसभा में अनेक जनहित के मुद्दे उठाए गए हैं और अब नए चुनाव की अधिसूचना के लिए लगभग चार महीने का समय शेष है। आवश्यकता है कि सदन में उठाए गए मुद्दों और किए गए कार्यों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जाए। राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि विधानसभा में अनेक परिवर्तन हुए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इन परिवर्तनों से बहुत कुछ नया सीखने को मिला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा आज देश में एक मॉडल विधानसभा बन चुकी है। विधायकों के लिए साइबर सुरक्षा पर आयोजित यह कार्यक्रम भी एक महत्वपूर्ण नवाचार है।

राजधानी के एक होटल में विधायकों के लिए "साइबर सुरक्षा : ए डिजिटल सिक्योरिटी ब्रीफिंग फॉर लेजिस्लेटर्स" कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साइबर अपराध के बढ़ते खतरों और उनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई।

संदिग्ध ऐप डाउनलोड करने से बचें

देश के जाने माने साइबर विशेषज्ञ अमित दुबे ने विधायकों को फिशिंग, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी धोखाधड़ी, पासवर्ड चोरी, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग और डिजिटल पहचान के दुरुपयोग जैसे साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, पासवर्ड या बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें और संदिग्ध ऐप डाउनलोड करने से बचें। उन्होंने मजबूत पासवर्ड रखने, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन सक्रिय करने तथा मोबाइल और कंप्यूटर को नियमित रूप से अपडेट रखने की सलाह दी।

मिशन सेफ फ्यूचर समेत विभिन्न अभियानों के तहत प्रदेश में 6 हजार से ज्यादा वाहन मिले अनफिट

स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए योगी सरकार का बड़ा कदम

82 हजार से ज्यादा स्कूली वाहनों की हो रही निगरानी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्कूली विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर प्रदेश में मिशन सेफ फ्यूचर के साथ ही कई अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके तहत उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच के साथ-साथ वाहन चालकों का चरित्र सत्यापन भी करा रहा है। मुख्यमंत्री ने हाल में स्कूली वाहनों की फिटनेस पर विशेष ध्यान देने और चालकों का अनिवार्य रूप से सत्यापन कराने के निर्देश दिए थे।

परिवहन विभाग के 13 अगस्त तक के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में फिलहाल 19,680 स्कूल हैं। इनमें 74,337 वाहन स्कूल के नाम से पंजीकृत हैं, जबकि 8,022 वाहन स्कूलों से अनुबंधित हैं। इस तरह प्रदेश में कुल 82,259 स्कूली वाहन हैं। विभिन्न अभियानों के दौरान प्रदेशभर में स्कूली वाहनों की जांच की गई। जांच में 6,066 स्कूली वाहन अनफिट पाए गए। इन वाहनों के खिलाफ नोटिस जारी करने की कार्रवाई की गई। वहीं प्रवर्तन टीमों ने 1,072 स्कूली वाहनों का चालान किया और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 356 वाहनों को बंद यानी सीज किया। अभियान के तहत अब तक 27,066 स्कूल वाहन चालकों का चरित्र सत्यापन कराया जा चुका है। परिवहन विभाग ने स्कूली वाहनों के चालकों की सुरक्षा जांच को लेकर सभी संबंधित स्कूलों को निर्देश दिए हैं। परिवहन विभाग ने यूपी बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड, आईसीएसई बोर्ड, यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड व अन्य बोर्ड के स्कूलों को बस और वैन चालकों का पुलिस चरित्र सत्यापन और मेडिकल परीक्षण अनिवार्य रूप से कराने के सख्त निर्देश दिए हैं।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर फोकस

अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) केडी सिंह गौर ने बताया कि मिशन सेफ फ्यूचर समेत अन्य सभी अभियान के तहत परिवहन विभाग का जोर स्कूली वाहनों को फिट रखने और चालकों का सत्यापन कराने पर है। इसका उद्देश्य स्कूली बच्चों को सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों व चालकों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

- परिवहन विभाग की जांच के बाद हाल में 1,072 स्कूली वाहनों का चालान और 356 वाहन सीज
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद स्कूली वाहन चालकों के सत्यापन पर जोर
- उत्तर प्रदेश में अब तक 27 हजार से ज्यादा स्कूली वाहन चालकों का हुआ चरित्र सत्यापन

कांग्रेस के पूर्व विधायक के भाई के ठिकानों पर छापा

विजिलेंस की कार्रवाई में मिली 28 करोड़ की बेनामी संपत्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

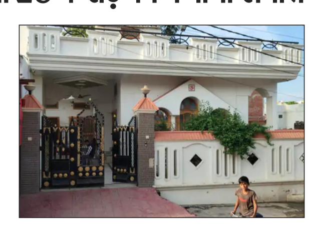

लखनऊ । यूपी विजिलेंस ने NHRM घोटाले के मुख्य आरोपी पूर्व विधायक मुकेश कुमार श्रीवास्तव के सगे भाई अजय कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में बुधवार को तीन ठिकानों पर छापेमारी की। सर्च के दौरान करीब 28 करोड़ रुपए की बेहिसाब संपत्ति का पता चला है।

जब यूपी में NHRM घोटाला हुआ था, उस समय अजय कुमार श्रीवास्तव बलरामपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में लिपिक थे। सतर्कता विभाग की खुली जांच में उनके पास आय से 763.65% ज्यादा संपत्ति पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अयोध्या सेक्टर थाने में दर्ज किया गया था।

शासन के निर्देश पर विवेचना सतर्कता अधिष्ठान अयोध्या सेक्टर कर रहा है। मामले की जांच में कोर्ट से सर्च वॉरंट लेकर तीन टीमों ने गोंडा और लखनऊ के इन ठिकानों पर छापा मारा।

अजय पयागपुर (बहराइच) के रहने वाले हैं। 19 अगस्त को उनके तीन ठिकानों पर विजिलेंस टीमें पहुंची। इनमें गोंडा का जानकीनगर स्थित आवास, लखनऊ में मटियारी तिराहे के पास मिलेनिया रिजेन्सी होटल और इंदिरानगर स्थित मकान शामिल हैं।तलाशी के दौरान अजय और उनके परिवार के नाम पर बड़ी संख्या में चल-अचल संपत्ति के दस्तावेज मिले।

अपील : जापानी तकनीक का लाभ छोटे किसानों तक पहुंचाएं, कृषि लागत घटाकर उत्पादकता बढ़ाएं: शिवराज

'जापानी तकनीक का लाभ छोटे किसानों तक पहुंचाएं'

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और जापान के बीच निवेश, तकनीक और औद्योगिक सहयोग को नई गति देने के उद्देश्य से आयोजित यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि क्षेत्र में जापानी तकनीक और विशेषज्ञता का लाभ भारतीय किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश को जापानी कंपनियों के निवेश के लिए मजबूत डेस्टिनेशन बताया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान की साझेदारी केवल निवेश तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ किसानों, युवाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था तक पहुंचना चाहिए। भारत में विशाल बाजार, बड़ी युवा आबादी और कृषि क्षेत्र की व्यापक संभावनाएं हैं। ऐसे में जापान के साथ तकनीकी और औद्योगिक सहयोग से कृषि में नई संभावनाओं के द्वार खुल सकते हैं। उन्होंने जापानी उद्योग और संस्थानों से ऐसी तकनीक और मशीनरी विकसित करने का आग्रह किया, जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए भी उपयोगी और आसानी से उपलब्ध हो। कृषि मंत्री ने कहा कि आज जरूरत ऐसी तकनीक की है, जिससे किसानों की उत्पादकता बढ़े, पानी की खपत और उत्पादन लागत कम हो तथा किसानों की आय में वृद्धि हो। कृषि क्षेत्र में होने वाली रिसर्च का सीधा लाभ खेत तक पहुंचना चाहिए। रिसर्च केवल पेपर तक सीमित न रहे, बल्कि उसे ऐसे उत्पाद और तकनीक में बदला जाए, जिसे किसान आसानी से अपना सकें।

यूपी का महत्वपूर्ण पार्टनर है जापान

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी बड़ी कंज्यूमर मार्केट, कुशल मानव संसाधन, बेहतर कनेक्टिविटी, तेजी से विकसित होते इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण वैश्विक निवेश के लिए मजबूत डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। जापान उत्तर प्रदेश का विशेष और महत्वपूर्ण पार्टनर है तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हालिया जापान यात्रा ने दोनों पक्षों के संबंधों को और मजबूत किया है। उत्तर प्रदेश में शक्ति, परंपरा, प्रतिभा, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, इनोवेशन और बड़े बाजार की क्षमता मौजूद है। उन्होंने जापानी उद्योग जगत का आह्वान करते हुए कहा कि जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और उत्तर प्रदेश के टैलेंट एवं बाजार की संभावनाओं को साथ लाकर रोजगार, इनोवेशन और सस्टेनेबल ग्रोथ के असीमित नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

- यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट में केंद्रीय कृषि मंत्री ने कृषि क्षेत्र में तकनीकी सहयोग बढ़ाने का किया आह्वान
- जापान समेत वैश्विक निवेश के लिए मजबूत डेस्टिनेशन बना है उत्तर प्रदेश
- छोटे और सीमांत किसानों के लिए उपयोगी मशीनरी विकसित करने पर जोर, गांव के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की अपील

उत्तर प्रदेश के प्रति जापानी उद्योग जगत का भरोसा बढ़ा

भारत-जापान के रिश्तों में नई मजबूती, यूपी के साथ बढ़ रही रणनीतिक साझेदारी: सुरेश खन्ना

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मजबूत कानून-व्यवस्था, विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश अनुकूल नीतियों ने उत्तर प्रदेश को सबसे संभावनाशील निवेश स्थलों में शामिल कर दिया है। जापान अब प्रदेश की विकास यात्रा में केवल निवेशक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और रणनीतिक साझेदार के रूप में आगे बढ़ रहा है।

नई दिल्ली के ताज पैलेस में आयोजित उत्तर प्रदेश-जापान निवेश सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए सुरेश खन्ना ने कहा कि भारत और जापान के संबंध साझा मूल्यों, समान दृष्टिकोण और परस्पर प्राथमिकताओं के आधार पर लगातार मजबूत हो रहे हैं। जापान से आए बड़े प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश के प्रति जापानी उद्योग जगत का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी सहित जापानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

सुरेश खन्ना ने कहा कि सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, बेहतर कनेक्टिविटी, विशाल उपभोक्ता बाजार, कुशल मानव संसाधन, नीति आधारित सुशासन और तेजी से विकसित हो रहा आधारभूत ढांचा यूपी की बड़ी ताकत हैं। 'निवेश मित्र' जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबार की राह आसान की है और निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया को गति दी है।

उन्होंने कहा कि गत दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जापान यात्रा से दोनों पक्षों के बीच औद्योगिक और संस्थागत संवाद को नई गति मिली है। अब ग्रीन हाइड्रोजन, ऑटोमोबाइल, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं बन रही हैं।

भाजपा प्रत्याशी ने निकाली तिरंगा यात्रा

आयोजन

भगवंतनगर क्षेत्र में 30किमी लंबी यात्रा में हजारों लोग शामिल

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। भगवंतनगर क्षेत्र में बुधवार दोपहर भाजपा प्रत्याशी अविचल शुक्ला के नेतृत्व में करीब 30 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाली गई। रुझई से शुरू हुई इस यात्रा में आयोजकों के अनुसार करीब तीन से चार हजार लोग शामिल हुए। बड़ी संख्या में बाइक और कारों के साथ निकले काफिले से पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल नजर आया। तिरंगा यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से भगवंतनगर क्षेत्र गूंजता रहा। यात्रा में शामिल युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। डीजे पर बज रहे देशभक्ति गीतों के बीच प्रतिभागी उत्साह जताते नजर आए। बाइक और कारों का लंबा काफिला जब प्रमुख मार्गों से गुजरा तो दूर तक तिरंगे ही तिरंगे दिखाई दिए।

रुझई से शुरू हुई यात्रा, कई मार्गों से गुजरा काफिला

तिरंगा यात्रा रुझई से शुरू होकर भगवंतनगर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं ने अपनी बाइक और कारों पर राष्ट्रीय ध्वज लगाकर हिस्सा लिया। कई प्रतिभागियों ने अपने वाहनों को तिरंगे से सजाया था।

यात्रा के प्रमुख मार्गों से गुजरने के दौरान सड़क के दोनों ओर स्थानीय लोगों की भीड़ नजर आई। कई स्थानों पर लोगों ने सड़क किनारे खड़े होकर यात्रा का स्वागत किया और प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस रही तैनात

करीब 30 किलोमीटर लंबे यात्रा मार्ग पर यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। बड़ी संख्या में बाइक और कारों के काफिले के चलते प्रमुख मार्गों पर पुलिसकर्मी मौजूद रहे। यात्रा के गुजरने वाले मार्गों पर कई स्थानों पर स्थानीय लोग सड़क किनारे जुटे रहे। पुलिस ने यात्रा के दौरान यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए व्यवस्था संभाली। यात्रा के दौरान समर्थकों और स्थानीय लोगों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह लोगों ने यात्रा को देखने के लिए भीड़ लगाई।

क्षेत्र में बना रहा देशभक्ति का माहौल

बुधवार दोपहर शुरू हुई तिरंगा यात्रा के कारण भगवंतनगर क्षेत्र में काफी देर तक उत्साह का माहौल बना रहा। हजारों लोगों की मौजूदगी और वाहनों के लंबे काफिले ने यात्रा को क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया। आयोजकों ने तिरंगा यात्रा को सफल बनाने में सहयोग करने वाले कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

पिता के बाद 18 महीने की बच्ची ने तोड़ा दम

हरदोई में कच्ची दीवार गिरने से मलबे में दबे थे दंपती व बच्ची

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में देहात कोतवाली क्षेत्र में सोमवार रात ढही कच्ची दीवार के हादसे में मलबे से सुरक्षित निकाली गई 18 माह की मासूम निशा ने आखिरकार 21 घंटे चले इलाज के बाद मंगलवार रात करीब 9:30 दम तोड़ दिया। हादसे के वक्त पिता महबूब की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि मलबे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हुई मां नफीसा का इलाज अब भी जारी है। दो दिन की लगातार बारिश के कारण चूड़ी विक्रेता महबूब की झोपड़ी की कच्ची दीवार अचानक भरभराकर गिर गई थी। हादसे से ठीक पहले बाहर गए दो मासूम बच्चों की किस्मत से जान बच गई, जबकि 21 घंटे तक चले इलाज के बाद बुधवार सुबह मासूम निशा का भी अंतिम संस्कार कर दिया गया।

परिजनों ने आपसी सहमति से निशा के शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया। यह घटना सोमवार रात करीब 12:30 बजे हुई। महबूब चूड़ी की फेरी लगाकर अपने पांच सदस्यीय परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह कच्ची दीवारों पर बनी झोपड़ी में रहते थे। पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण दीवारें कमजोर हो गई थीं, जिसके चलते झोपड़ी अचानक ढह गई। हादसे से कुछ मिनट पहले महबूब के दो अन्य बच्चे, 5 वर्षीय रजा हुसैन और 3 वर्षीय खैरुन्निसा, लघुशंका के लिए बाहर गए थे।

फास्ट न्यूज

एसपी ने सड़क हादसे में घायल युवकों को पहुंचाया अस्पताल

उन्नाव। उन्नाव के एसपी जयप्रकाश सिंह ने गश्त के दौरान सड़क हादसे में घायल हुए दो युवकों को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया। यह घटना मंगलवार रात बांगरमऊ से लौटते समय अब्बासपुर मार्केट के पास हुई। एसपी की तत्परता से घायलों को समय पर उपचार मिल सका। जानकारी के अनुसार, मगरवारा निवासी देवांशु सिंह और शिवम (23) मंगलवार रात बाइक से सफीपुर से अपने घर लौट रहे थे।

उन्नाव जिला अस्पताल की एक्स-रे मशीन तीन दिन से खराब

उन्नाव। उन्नाव जिला अस्पताल में पिछले तीन दिनों से एक्स-रे मशीन खराब है। इसके चलते मरीजों को जांच कराने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को भी डॉक्टर द्वारा एक्स-रे की सलाह दिए जाने के बाद मरीज और उनके तीमारदार जांच के लिए अस्पताल परिसर में भटकते रहे। मशीन खराब होने के कारण कई मरीजों को मजबूरी में निजी जांच केंद्रों का रुख करना पड़ रहा है। अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों की संख्या अधिक होती है।

दो घंटे में 70 मिमी बारिश हुई

हरदोई। हरदोई में बुधवार को हुई मूसलाधार बारिश ने नगर पालिका के जल निकासी के दावों की पोल खोल दी। करीब पौने दो घंटे में 70 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इससे शहर की सड़कें, गलियां और प्रमुख चौराहे पानी में डूब गए। कई जगह घुटनों तक पानी भरने से लोगों, राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मेडिकल कॉलेज परिसर और कई सरकारी आवासों के बाहर भी जलभराव हो गया।

विवाहिता ने फंदा लगाकर दी जान

कमरे में लटका मिला शव, बच्चों के रोने की आवाज सुनकर कमरे में पहुंचे परिजन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के म्योरा गांव में बुधवार सुबह एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय महिला घर के कमरे में थी। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर परिजन कमरे में पहुंचे तो महिला को पंखे के कुंडे से फंदे पर लटका पाया। आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिलग्राम ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान कोमल (32) पत्नी राहुल के रूप में हुई है। वह मूल रूप से कानपुर के महुआपुर गांव की रहने वाली थी। करीब 10 वर्ष पहले उसका विवाह राहुल से हुआ था। दंपती के दो बच्चे हैं, जिनमें छह वर्षीय बेटी प्रिया और तीन वर्षीय बेटा समर शामिल हैं। प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया महिला द्वारा फंदा लगाने की बात सामने आई है। हालांकि, आत्महत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

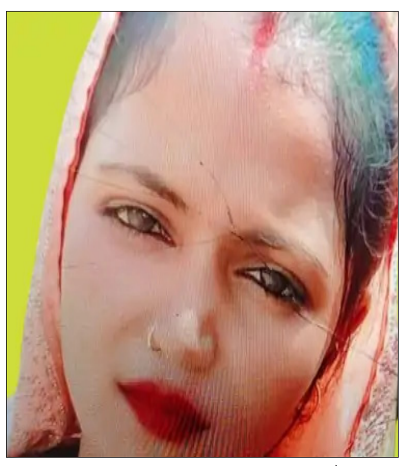

"घटना की सूचना मिलने पर बिलग्राम कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बच्चों के रोने पर दादा कमरे में पहुंचे

पति राहुल के मुताबिक, घटना के समय वह किसी काम से बिलग्राम गए हुए थे। घर में उनके पिता और दोनों बच्चे मौजूद थे। सुबह करीब नौ बजे बच्चों के रोने की आवाज सुनकर दादा कमरे की ओर पहुंचे। वहां कोमल फंदे से लटकी मिली। घटना की जानकारी मिलते ही पड़ोसी और अन्य परिजन भी मौके पर पहुंच गए। सभी की मदद से महिला को नीचे उतारा गया और तत्काल बिलग्राम सीएचसी ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

पुलिस के अनुसार, घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। परिजनों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की स्थिति और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महिला की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा है। वहीं, मां की मौत से दोनों छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाढ़ में एक दूसरे का सहारा बने सुकई-आशिक अली

बाराबंकी में घाघरा नदी की बाढ़ गांव के पास पहुंची

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में घाघरा नदी की बाढ़ के बीच कौमी एकता की एक मिसाल सामने आई है। रामनगर तहसील के हेतमापुर गांव में 75 वर्षीय सुकई और लगभग 100 वर्षीय मौलाना आशिक अली एक-दूसरे का हाथ थामे गांव की ओर लौटते देखे गए। गांव में घाघरा नदी का पानी लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। इसी बीच, गांव की सीमा पर स्थित एक प्राचीन मंदिर और उसके ठीक पास बनी मस्जिद के आसपास दोनों बुजुर्गों की यह उपस्थिति गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक बनी। ग्रामीणों के बीच बाढ़ को लेकर एक पुरानी मान्यता भी है। उनका मानना है कि जब तक

घाघरा का पानी मंदिर और मस्जिद के करीब नहीं पहुंचता, तब तक बाढ़ का प्रकोप कम नहीं होता। इन धार्मिक स्थलों के पास पानी पहुंचने के बाद उसके वापस लौटने की यह मान्यता लंबे समय से चली आ रही है। वहीं, मौलाना आशिक अली ने भी भाईचारे की बात दोहराई। उन्होंने बताया कि गांव में हिंदू-मुसलमान के बीच कोई फर्क नहीं है और सभी एक परिवार की तरह रहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वे सुकई के साथ बाहर गए थे और दोनों साथ ही गांव लौट रहे थे। सुकई ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि बाढ़ हर साल आती है, लेकिन गांव में हिंदू और मुस्लिम हमेशा मिल-जुलकर रहते हैं। उनके अनुसार, दोनों समुदाय एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और उनके दिलों में किसी तरह का भेदभाव नहीं है। वहीं, मौलाना आशिक अली ने भी भाईचारे की बात दोहराई। उन्होंने बताया कि गांव में हिंदू-मुसलमान के बीच कोई फर्क नहीं है और सभी एक परिवार की तरह रहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वे सुकई के साथ बाहर गए थे और दोनों साथ ही गांव लौट रहे थे।

गंगा एक्सप्रेस-वे के अस्थायी रास्ते से खेतों में भरा पानी

उन्नाव में 2 हजार बीघा फसल जलमग्न, 50 किसान तहसील पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे निर्माण के दौरान निहालपुर-भदनी नाले पर बनाए गए अस्थायी रास्ते से किसानों को परेशानी हो रही है। नाले में मिट्टी जमा होने और जल निकासी बाधित होने के कारण आसपास के खेतों में पानी भर गया है। किसानों का दावा है कि लगभग दो हजार बीघा फसल जलमग्न हो गई है। बुधवार को प्रभावित गांवों के करीब पचास किसान तहसील पहुंचे। उन्होंने एसडीएम को संबोधित एक शिकायती पत्र तहसीलदार अशोक कुमार शुक्ला को सौंपा। किसानों ने समस्या के तत्काल समाधान की मांग की। किसानों ने बताया कि गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण के दौरान आवागमन के लिए

निहालपुर-भदनी नाले पर एक अस्थायी रास्ता बनाया गया था। इसके कारण नाले का प्राकृतिक प्रवाह रुक गया। बारिश के बाद नाले में पानी बढ़ने पर जल निकासी न होने से आसपास के खेतों में पानी भरने लगा। किसानों के अनुसार, वृजपालपुर, भैंसहरा, मवई लाल और मवईभान सहित कई गांवों की कृषि भूमि जलभराव की चपेट में है। खेतों में कई दिनों से पानी भरा होने के कारण धान सहित अन्य फसलों के खराब होने की आशंका है। शिकायती पत्र में किसानों ने नाले में जमा मिट्टी और अन्य अवरोधों को तत्काल हटाने, नाले की सफाई कराने और खेतों में भरे पानी की निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की। किसानों ने अपनी आजीविका खेती पर निर्भर होने और संभावित आर्थिक नुकसान की चिंता व्यक्त की। मामले को लेकर तहसीलदार अशोक कुमार शुक्ला ने किसानों को जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित क्षेत्र की स्थिति की जांच कराकर जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे। किसानों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर फसलों को और नुकसान से बचाने की मांग की है।

बाराबंकी आईजीआरएस में मिली लापरवाही

डीएम ने 12 अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोका, शिकायतों के लंबित होने पर की कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और समीक्षा बैठक से अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने 12 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। बुधवार दोपहर 3 बजे आईजीआरएस (समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली) की समीक्षा के दौरान गंभीर लापरवाही सामने आने पर सभी अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। प्रशासन के अनुसार, आईजीआरएस शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके तहत प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण और शिकायतकर्ता की संतुष्टि के अनुरूप निस्तारण किया जाना जरूरी है। समीक्षा के दौरान कई शिकायतें लंबित मिलीं। इसके अलावा संबंधित अधिकारी बैठक में भी अनुपस्थित पाए गए। इसे गंभीरता से लेते हुए डीएम ने वेतन

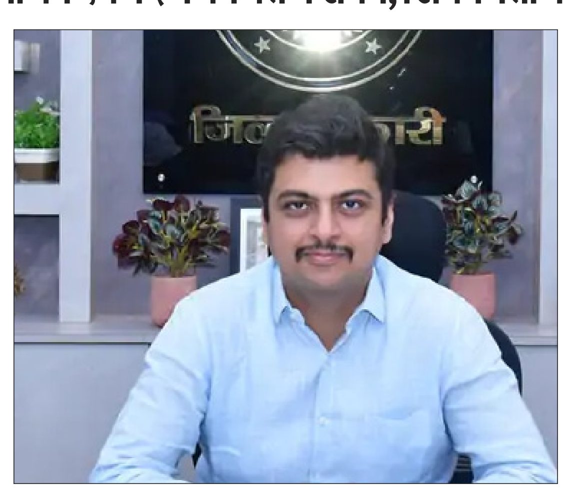

रोकने की कार्रवाई के निर्देश दिए। आईजीआरएस मामलों में लापरवाही पर प्रशासन की यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले 11 अगस्त को 59 लंबित मामलों के संबंध में 12 अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोका गया था। नई कार्रवाई के बाद आईजीआरएस प्रकरणों में अब तक कुल 24 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने कहा कि जनशिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। कार्रवाई की जद में आए अधिकारियों को तीन दिन के भीतर सुस्पष्ट और तथ्यात्मक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने भविष्य में लापरवाही मिलने पर और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

इन 12 अधिकारियों पर हुई कार्रवाई

जिन अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं, उनमें जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन, खंड शिक्षा अधिकारी हैदरगढ़, प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक त्रिवेदीगंज, खंड शिक्षा अधिकारी मसौली, प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक दरियाबाद, प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक सिरौली गौसपुर, अधिशासी अधिकारी रामनगर, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर बैंक, खंड शिक्षा अधिकारी देवा, अधिशासी अधिकारी बेलहरा और प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक बनीकोडर शामिल हैं।

प्रदर्शन : पुलिसवालों से बोले- हॉस्टल में घटिया खाना मिल रहा, शिक्षा मंत्री को बुलाओ, तभी हटेंगे

जेन अल्फा प्रोटेस्ट, 250 छात्र सड़क पर उतरे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। यूपी के उन्नाव में जेन-अल्फा ने बुधवार सुबह प्रदर्शन किया। 6वीं से 12वीं तक के 250 से ज्यादा छात्र सड़क पर उतर गए। उनके हाथों में 'हमारी मांगें पूरी करो' और 'वी नीड टीचर्स' जैसी तख्तियां थीं। छात्रों ने प्रशासन और स्कूल के खिलाफ नारेबाजी की। सड़क जाम होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और छात्रों को मनाने की कोशिश की, लेकिन वे हटने को तैयार नहीं थे। छात्रों ने उसने कहा- 6 महीने से स्कूल में टीचर्स की कमी है। हॉस्टल में घटिया क्वालिटी का खाना मिलता है। प्रिंसिपल से शिकायत करने पर उन्हें 'टीसी काटकर

घर भेजने' की धमकी दी जाती है। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी को बुलाइए, तभी हम लोग हटेंगे। मामला बढ़ता देखकर सीडीओ कृति राज मौके पर पहुंचीं और छात्रों को कार्रवाई का भरोसा दिया। साथ ही जांच के लिए विशेष टीम का गठन कर दिया। इसके बाद छात्रों ने प्रदर्शन खत्म किया। प्रदर्शन सुबह 6 बजे शुरू हुआ और करीब 3 घंटे तक चला। प्रदर्शन करने वाले छात्र जयप्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय विद्यालय के थे। छात्र अभिनव ने कहा कि स्कूल में टीचर नहीं हैं और नए शिक्षकों की भर्ती भी नहीं की गई है। इससे उनकी पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। आगे बोर्ड की परीक्षा है, ऐसे में उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करनी है। अगर बच्चों को सही शिक्षा नहीं मिलेगी और उनका भविष्य अंधकार में रहेगा तो इससे पूरा देश कमजोर होगा।

एक अन्य छात्र ने बताया कि परिसर और छात्रावास में पीने के पानी की भी उचित व्यवस्था नहीं है। दूषित पानी पीने से कई बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। बीमार होने पर छात्रों को समय पर इलाज नहीं मिलता। भीषण गर्मी के बावजूद हॉस्टल के पंखे खराब पड़े हैं।

बार-बार शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। नगर पंचायत न्योतनी में जयप्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय विद्यालय है। इसमें 350 छात्र पढ़ते हैं। यहां कक्षा 6वीं से 12वीं तक की पढ़ाई होती है। सभी छात्र हॉस्टल में रहते हैं। स्कूल में छात्रों का प्रवेश एंट्रेंस एग्जाम के जरिए होता है। नगर पंचायत न्योतनी में जयप्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय विद्यालय है। इसमें 350 छात्र पढ़ते हैं। यहां कक्षा 6वीं से 12वीं तक की पढ़ाई होती है। सभी छात्र हॉस्टल में रहते हैं। स्कूल में छात्रों का प्रवेश एंट्रेंस एग्जाम के जरिए होता है।

छात्र सुनील ने बताया कि कैंटीन और हॉस्टल की व्यवस्थाएं बेहद खराब हैं। मेस में साफ-सफाई का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा जाता। खाना बनाने वाले कर्मचारी गुटखा और मसाला खाते हैं। उन्हें रोज बैंगन की सब्जी परोसी जाती है।

दहेज न मिलने पर विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

ससुरालियों ने जान से मारने की धमकी दी, उन्नाव में पीड़िता ने रढ से कार्रवाई की मांग की

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में सफीपुर थाना क्षेत्र की एक विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग पूरी न होने पर प्रताड़ित करने, मारपीट करने और गर्भावस्था के दौरान घर से निकालने का आरोप लगाया है। पीड़िता मंतशा (पत्नी निजाम) ने बुधवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। मंतशा के अनुसार, उनका निकाह 15 मार्च 2023 को निजाम (पुत्र रज्जब अली, निवासी लोकनगर, नई बस्ती, थाना कोतवाली सदर) के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। शादी के समय ससुराल पक्ष की मांग पर उनके पिता ने लगभग 15 लाख

रुपये खर्च कर अपाचे बाइक, जेवर, कपड़े और घर-गृहस्थी का सामान दिया था। आरोप है कि इसके बावजूद शादी के बाद से ही पति और ससुराल के अन्य लोग कम दहेज लाने का ताना देकर गाली-गलौज और मारपीट करने लगे। पीड़िता ने बताया कि पति निजाम, ससुर रज्जब अली, सास शहनाज, देवर शहजादे, जेठ ताज व चांद, ननद कुरैशा और ननदोई रियाजुल उनसे मायके से चार लाख रुपये अतिरिक्त दहेज लाने की मांग करते थे। मांग पूरी न होने पर उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परेशान होकर उन्होंने अपने पिता को जानकारी दी, जिसके बाद पिता ने निजाम को एक लाख 85 हजार रुपये दिए। कुछ समय तक स्थिति सामान्य रही, लेकिन बाद में फिर से दहेज की मांग शुरू हो गई। मंतशा के मुताबिक, 25 जून 2026 को गर्भावस्था के दौरान पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों ने उनके साथ मारपीट की और उनका स्त्रीधन छीनकर घर से निकाल दिया। आरोप है कि उन्हें धमकी दी गई कि बाकी दहेज की रकम लेकर ही वापस आएं, अन्यथा जान से मार दिया जाएगा और निजाम का दूसरा निकाह कर दिया जाएगा।

सम्पादकीय

स्वदेशी रक्षा सामग्री

रक्षा मंत्रालय ने देश में बनने वाले रक्षा उपकरणों की जो नई सूची जारी की, वह यह बता रही है कि रक्षा मामले में आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है। इस सूची के अनुसार चार सौ से अधिक और सैन्य सामग्री का निर्माण देश में ही किया जाएगा। यह ऐसी छठी सूची है। इस सूची में उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, हल्के लड़ाकू विमान भी शामिल हैं और उच्च विस्फोटक टैंक-रोधी गोला-बारूद भी। इसका अर्थ है कि भारत समय के साथ ऐसी रक्षा सामग्री का निर्माण करने में सफल है, जिसकी आवश्यकता देश को भी है और जिसके निर्यात की संभावनाएं भी हैं।

पिछले पांच वर्षों में 15 हजार से अधिक रक्षा सामग्री का स्वदेशीकरण किया गया है। इससे लगभग 9,000 करोड़ रुपये के आयात प्रतिस्थापन का अनुमान है। यदि देश को वास्तव में आत्मनिर्भर बनना है तो अन्य अनेक क्षेत्रों के साथ रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। इससे विदेशी मुद्रा की बचत के साथ ही उसमें वृद्धि भी होगी, क्योंकि धीरे-धीरे देश का रक्षा निर्यात भी बढ़ रहा है।

पिछले 12 वर्षों में देश का रक्षा निर्यात कई गुना बढ़ा है और आज लगभग सौ देशों को भारतीय सैन्य उपकरणों की आपूर्ति की जा रही है। भारत को अपनी जरूरत की रक्षा सामग्री का स्वदेश में ही अधिकाधिक निर्माण इसलिए करना चाहिए, क्योंकि अभी आवश्यक रक्षा सामग्री हासिल करने में अच्छी-खासी विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। भारत रक्षा सामग्री के मामले में विश्व के लिए बाजार बनकर नहीं रह सकता। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि कई बार उन्नत रक्षा सामग्री पाने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इनमें संबंधित देशों की कठोर शर्तें भी होती हैं। यह ठीक है कि कई देश उन्नत रक्षा सामग्री के साथ तकनीक भी दे देते हैं, लेकिन वह उत्तम कोटि की नहीं होती। भारत को अपनी जरूरत की रक्षा सामग्री खुद बनाने के साथ ही रक्षा विनिर्माण का वैश्विक केंद्र भी बनना होगा। यह सराहनीय है कि मोदी सरकार रक्षा सामग्री के स्वदेश में उत्पादन को विशेष महत्व दे रही है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से शक्ति की जिस सप्तधारा का उल्लेख किया, उसमें एक रक्षा शक्ति भी है। देश में अधिकाधिक उन्नत रक्षा सामग्री का निर्माण इसलिए संभव हो पा रहा है, क्योंकि निजी कंपनियों का सहयोग लेना शुरू किया गया है। यदि यह काम और पहले किया गया होता तो आज स्थिति और बेहतर होती। जैसे रक्षा क्षेत्र की निजी कंपनियां विश्वस्तरीय सैन्य सामग्री का निर्माण करने में सक्षम हैं, वैसे ही अन्य क्षेत्र की कंपनियों को होना होगा। आत्मनिर्भरता का यही मूल मंत्र है।

परीक्षा की शुचिता और नौकरी की सुरक्षाः झारखंड की चुनौती

> यदि किसी परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक हुआ हो, संगठित धांधली हुई हो या चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली गंभीर अनियमितता प्रमाणित हो, तो उस प्रक्रिया की जांच और आवश्यक होने पर परीक्षा रद्द करना स्वाभाविक रूप से जरूरी है।

झारखंड में सरकारी भर्ती परीक्षाओं को लेकर पिछले पच्चीस दिनों से चला आ रहा छात्र आंदोलन अब एक नए और अधिक जटिल चरण में पहुंच गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने छात्र आंदोलन के दबाव, परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और परीक्षा संचालन की विश्वसनीयता पर उठे गंभीर सवालों के बीच जेएसएससी-सीजीएल, चैदहवीं जेपीएससी सहित टीडीपीएल से जुड़ी अनेक भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की है। सरकार ने वर्ष 2014 के बाद हुई नियुक्ति परीक्षाओं की जांच कराने और व्यवस्था में सुधार के लिए भी कदम उठाने की बात कही है। इस फैसले से आंदोलनरत छात्रों को बड़ी राहत मिली है, लेकिन इसके साथ ही पहले से चयनित होकर सरकारी सेवा में कार्यरत हजारों युवाओं के सामने रोजगार और भविष्य का संकट खड़ा हो गया है। यही विरोधाभास झारखंड के वर्तमान भर्ती विवाद को केवल परीक्षा घोटाले का मामला न बनाकर न्याय, प्रशासनिक जवाबदेही और मानवीय संवेदना का गंभीर प्रश्न बना देता है। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 25 जुलाई 2026 से शुरू हुआ छात्रों का आंदोलन जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, अनियमितताओं और पारदर्शिता की कमी के विरोध में था। छात्र विभिन्न परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच, संदिग्ध प्रक्रियाओं को निरस्त करने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सोलह दिनों तक आमरण अनशन किया। सरकार की घोषणा के बाद उन्होंने अनशन समाप्त किया, हालांकि कुछ छात्र अब भी केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग पर कायम हैं। सरकार ने आठ अलग-अलग अधिसूचनाओं के माध्यम से कुल 44 परीक्षाओं को रद्द करने की सूची जारी की है। सरकारी नौकरी के लिए प्रतियोगिता करने वाले लाखों युवाओं का विश्वास तभी कायम रह सकता है, जब उन्हें यह भरोसा हो कि उनकी मेहनत किसी दलाल, भ्रष्ट अधिकारी, परीक्षा संचालक या अनुचित साधन अपनाने वाले व्यक्ति के कारण व्यर्थ नहीं जाएगी। इसलिए छात्रों की पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था की मांग पूरी तरह जायज है। लेकिन समस्या उस समय गंभीर हो जाती है जब किसी परीक्षा में हुई सामूहिक अनियमितता के कारण उन अभ्यर्थियों को भी नौकरी से हटाने का फैसला किया जाता है जिनके विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किसी गलत आचरण का प्रमाण नहीं है। जेएसएससी-सीजीएल के चयनित कर्मचारियों का वर्तमान विरोध इसी मूल प्रश्न को सामने रखता है। दिसंबर 2023 में परीक्षा आयोजित हुई थी। पेपर लीक के आरोपों के बाद सितंबर 2024 में परीक्षा दोबारा आयोजित की गई। मामला न्यायालय तक पहुंचा और न्यायिक प्रक्रिया के बाद परिणाम घोषित किए गए। सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी दिए गए और अनेक लोग सरकारी सेवा में कार्यरत हो गए। अब पूरी प्रक्रिया को निरस्त किए जाने से लगभग दो हजार चयनित कर्मचारी सीधे प्रभावित हुए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार करीब 1975 लोगों की नियुक्तियां इस फैसले से प्रभावित हुई हैं। इन कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परीक्षा दी, सफलता प्राप्त की, नियुक्ति पत्र पाया और सेवा में योगदान किया। यदि किसी स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है तो उसकी जांच हो, लेकिन सभी चयनित अभ्यर्थियों को दोषी मानकर नौकरी से हटाना न्यायसंगत नहीं है।

सरकारी नौकरी मिलने के बाद अनेक युवाओं ने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ऋण लिया, मकान या अन्य आवश्यकताओं के लिए वित्तीय जिम्मेदारियां उठाईं और अपनी दूसरी नौकरियां छोड़ दीं। उनके जीवन की योजनाएं नियमित वेतन और सरकारी सेवा की स्थिरता पर आधारित हो गईं। हटाए गए कर्मचारियों की पीड़ा और नाराजगी को भी उसी गंभीरता से सुना जाना चाहिए, जिस गंभीरता से छात्रों की शिकायतें सुनी गईं। यहां मूल सवाल यह है कि परीक्षा में अनियमितता और अभ्यर्थी की व्यक्तिगत संलिप्तता के बीच अंतर कैसे किया जाए। यदि किसी अभ्यर्थी ने पेपर खरीदा, नकल की, अनुचित साधन अपनाया या किसी दलाल के माध्यम से लाभ प्राप्त किया, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जिसने बिना किसी सिद्ध कदाचार के परीक्षा दी, परिणाम में सफल हुआ और नियुक्त होकर सेवा कर रहा है, उसके मामले में केवल परीक्षा प्रक्रिया की खामी को आधार बनाकर सामूहिक दंड देना न्याय के सिद्धांतों पर प्रश्न खड़े करता है। दोषी को बचाना अन्याय है, लेकिन निर्दोष को दंडित करना भी उतना ही बड़ा अन्याय है। सरकार को इसी संतुलन की कसौटी पर अपने निर्णय को परखना होगा। राज्य सरकार के सामने अब दोहरी चुनौती है। एक ओर उसे आंदोलनरत छात्रों के विश्वास को बनाए रखना है और दूसरी ओर हटाए गए कर्मचारियों के अधिकारों तथा आजीविका की रक्षा का रास्ता तलाशना है। केवल परीक्षा रद्द कर देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। सरकार को स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच करानी होगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि अनियमितता किस स्तर पर हुई, कौन लोग इसके लिए जिम्मेदार थे और किन अभ्यर्थियों ने अनुचित लाभ उठाया। जांच की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिस पर छात्र भी विश्वास कर सकें और चयनित कर्मचारी भी। यदि जांच निष्पक्ष होगी तो दोषियों पर कार्रवाई के साथ निर्दोषों को राहत देने का रास्ता भी निकलेगा। सरकार को अपने निर्णय के कानूनी आधार को स्पष्ट करना होगा और प्रभावित कर्मचारियों को अपनी बात रखने का उचित अवसर देना होगा। किसी भी प्रशासनिक निर्णय की मजबूती केवल उसकी मंशा से नहीं, बल्कि उसकी विधिक प्रक्रिया और न्यायसंगतता से तय होती है। यदि कर्मचारियों ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया है तो उन्हें कानून के माध्यम से अपना पक्ष रखने का पूरा अधिकार है।

ललित गर्ग

आज उत्तर प्रदेश का...

डॉ. नीरज भारद्वाज

प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग ने रचे विकास गुणवत्ता और नवाचार के नए कीर्तिमान

विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद् धनमाप्नोति धनाद् धर्मं ततः सुखम्॥

अर्थात विद्या से विनम्रता आती है, विनम्रता से योग्यता प्राप्त होती है, योग्यता से धन और उससे धर्म एवं सुख की प्राप्ति होती है। इन्हीं पंक्तियों को चरितार्थ करने हेतु मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग को केवल विद्यालय संचालन तक सीमित न रखकर सामाजिक परिवर्तन, मानवीय विकास और सुशासन का प्रभावी माध्यम बनाया है।

आज उत्तर प्रदेश का बेसिक शिक्षा विभाग एक ऐसे परिवर्तन का साक्षी है, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पूर्व तक कठिन प्रतीत होती थी। कभी संसाधनों के अभाव, जर्जर भवनों और घटते नामांकन के लिए चर्चा में रहने वाले परिषदीय विद्यालय आज आधुनिक सुविधाओं, डिजिटल तकनीक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और जनविश्वास के कारण नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। यह परिवर्तन केवल भवनों के कायाकल्प का नहीं, बल्कि शिक्षा की आत्मा को पुनर्जीवित करने का अभियान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि प्रदेश के प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए गए। मिशन ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों में 19 आधारभूत सुविधाओं का विकास सुनिश्चित किया गया। आज प्रदेश के लगभग 96 प्रतिशत परिषदीय विद्यालयों में इन मूलभूत सुविधाओं का संतृप्तीकरण किया जा चुका है। स्वच्छ पेयजल, पृथक शौचालय, विद्युत व्यवस्था, पुस्तकालय, खेल सामग्री, दिव्यांग अनुकूल रैंप, फर्नीचर और आकर्षक परिसर ने सरकारी विद्यालयों की तस्वीर बदल दी है। यही कारण है कि आज परिषदीय विद्यालय अभिभावकों के विश्वास का केंद्र बनते जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने शिक्षा को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए व्यापक डिजिटल परिवर्तन भी किया है। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत अब तक 31,878 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, 14,988 विद्यालयों में आईसीटी लैब तथा 1,129 विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा चुकी हैं। इसके साथ ही शिक्षकों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए 2,61,530 टैबलेट वितरित किए गए हैं। यह पहल शिक्षा को किताबों के अलावा डिजिटल आयामों से जोड़ने का ऐतिहासिक प्रयास है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित स्कूल चलो अभियान ने शिक्षा को जनांदोलन का स्वरूप प्रदान किया है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के उद्देश्य को साकार करते हुए घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। शैक्षिक सत्र 2026-27 में अब तक 27.05 लाख से अधिक बच्चों का नवीन नामांकन कराया जा चुका है। यह आंकड़े उन लाखों परिवारों की आशा का पुनर्जागरण है, जिन्होंने अपने बच्चों के भविष्य को शिक्षा से जोड़ने का संकल्प लिया है।

समावेशी शिक्षा की दिशा में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत निजी विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों के प्रवेश हेतु वर्ष 2026-27 में लगभग 1.96 लाख बच्चों का चयन किया गया, जिनमें से 1.49 लाख से अधिक बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित किया जा चुका है। यह सामाजिक न्याय और समान अवसर की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता देने की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया। डीबीटी के माध्यम से गणवेश, जूते-मोजे, स्वेटर, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी के लिए धनराशि सीधे अभिभावकों के खातों में भेजी जा रही है। शैक्षिक सत्र 2026-27 के प्रथम चरण में 1 करोड़ 10 लाख विद्यार्थियों के लिए 1320 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि सीधे बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। इससे पारदर्शिता के साथ-साथ अभिभावकों का विश्वास भी सुदृढ़ हुआ। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक दक्षता विकसित करने का व्यापक अभियान चलाया गया। गतिविधि आधारित शिक्षण, सतत मूल्यांकन और प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से प्राथमिक कक्षाओं में अधिगम स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। प्रदेश के विद्यालयों में सीखने की संस्कृति को नई दिशा मिली है। शिक्षकों को शिक्षा व्यवस्था का प्राण तत्व मानते हुए उनके क्षमता संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया गया। वर्ष 2025-26 में 1,96,003 शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया तथा विद्यालय नेतृत्व को सुदृढ़ करने के लिए लगभग 1.5 लाख प्रधानाध्यापकों एवं प्रधानाचार्यों को विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

शिक्षा और ...

प्रवीण मालवीय

प्रदेश में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना से नवसृजित नगरों को मिल रही है आधुनिक पहचान

उत्तर प्रदेश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने सुनियोजित और समावेशी शहरी विकास का नया मॉडल स्थापित किया है। प्रदेश के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों का नगरीकरण हुआ है। प्रदेश में कई नई नगर पंचायतों का गठन हुआ और नगर निकायों का सीमा विस्तार किया गया। इन नवसृजित एवं विस्तारित नगरों में नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं, गुणवत्तापूर्ण शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2022-23 में ''मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना'' की शुरुआत की गई। यह योजना आज प्रदेश के शहरी विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रही है।

प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान 113 नई नगर पंचायतों का गठन तथा 127 नगरीय निकायों का सीमा विस्तार किया गया। इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग निवास करते हैं, इन क्षेत्रों में बेहतर सड़क, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता और अन्य आवश्यक शहरी सुविधाओं से युक्त विकास कार्य किये जा रहे है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने इन आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित करने का निर्णय लिया, जिससे नवसृजित और विस्तारित नगरों के नागरिकों को भी बड़े शहरों जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना का सबसे बड़ा उद्देश्य केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि नवगठित नगरों को योजनाबद्ध, व्यवस्थित और आत्मनिर्भर शहरी इकाइयों के रूप में विकसित करना है। प्रदेश सरकार सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति, नाला निर्माण, मार्ग प्रकाश व्यवस्था, पार्कों का सौंदर्यीकरण, प्रमुख चौराहों का विकास, मुख्य व्यावसायिक क्षेत्रों का आधुनिकीकरण, कार्यालय भवनों का निर्माण तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े अनेक निर्माण कार्य तेजी से करा रही है।

शिक्षा और सामाजिक विकास को भी इस योजना का महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत नवसृजित और सीमा विस्तारित नगर निकायों में स्थित विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का व्यापक कायाकल्प किया गया है। अवशेष में कार्य प्रगति पर है। आधुनिक भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, फर्नीचर, विद्युत व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर बच्चों के लिए बेहतर शिक्षण वातावरण तैयार किया गया है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ अभिभावकों का सरकारी विद्यालयों के प्रति विश्वास भी बढ़ा है।प्रदेश सरकार नागरिक सुविधाओं के साथ सामाजिक अधोसंरचना को भी मजबूत कर रही है। नवसृजित एवं विस्तारित नगर निकायों में कल्याण मंडपों का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। यह पहल सामाजिक समरसता को भी नई मजबूती प्रदान कर रही है।

नगरों के समग्र विकास में बेहतर सड़क संपर्क की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने नवसृजित एवं विस्तारित नगर निकायों में सड़कों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। नई सड़कों के निर्माण से नागरिकों की आवाजाही सुगम हुई है, व्यापारिक गतिविधियों को गति मिली है ।

गोस्वामी तुलसीदास जी जयंती

भारतीय ऋषि परम्परा ने शास्त्रों से संज्ञान लिया और विश्व को इनका ज्ञान दिया । भारत ऋषि मुनियों व धर्मआत्माओं की जननी है, जिसे हर व्यक्ति जानता है l सनातन धर्म कहें या परंपरा सबसे प्राचीन है l इसी परंपरा के साथ कई रीती रिवाज़ व त्योहार भी जुड़े हुए हैं । हर त्योहार, ऋतु व रीति रिवाज़ अपने साथ एक संस्कृति को जोड़े हुए है l ये कहीं न कहीं हमें भी अपने साथ जोड़े हुए है । अतीत में हमारे ऋषि मुनि घोर जंगल में अपने इष्ट की साधना करके विभिन्न तरह की सिद्धियाँ प्राप्त करते थे।वो अपने भगवान से अपने भावों के माध्यम से तार जोड़ते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी एक महान रामभक्त कवि और दार्शनिक थे, जिन्होंने श्री रामचरितमानस और हनुमान चालीसा जैसे विश्व प्रसिद्ध ग्रंथों की रचना की। उन्हें महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी माना जाता है और उन्होंने राम भक्ति में लीन होकर भक्ति और साहित्य के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। महाकाव्य श्रीरामचरितमानस को विश्व के 100 सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय काव्यों में 46वाँ स्थान दिया गया। तुलसीदास जी रामानंद संप्रदाय के अनुयायी थे। गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाई जाती है। गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म 1532 ईस्वी में हुआ था और उनकी मृत्यु 1623 ईस्वी में हुई थी। हमारा मन विचारों का, कामनाओं का एक सतत प्रवाह है । एक अनवरत सिलसिला पुरानी स्मृतियों का, अच्छी बुरी प्रवृतियों आदि का चलता ही रहता है। गोस्वामी तुलसीदास जी को उनकी पत्नी रत्नावली द्वारा दिए गए एक ताने के बाद उन्होंने सांसारिक जीवन छोड़ दिया और पूर्णतः राम भक्ति में लीन हो गए। वह विश्व प्रसिद्ध ग्रंथों की उन्होंने रचना की । अपने काव्य और लेखन के माध्यम से प्रभु श्रीराम के आदर्शों और जीवन चरित्र को उन्होंने जन-जन तक पहुंचाया था । उनके गुणों को हम सही से अपने जीवन में आत्मसात कर सकें यही हमारे लिए काम्य हैं ।

> प्रदीप छाजेड़
> (बोरावड़)

जरा हटके

योजना की सफलता...

डॉ0 सीमा गुप्ता

अटल आवासीय विद्यालय योजना से जौनपुर के श्रमिक परिवारों को मिला शिक्षा का उजाला

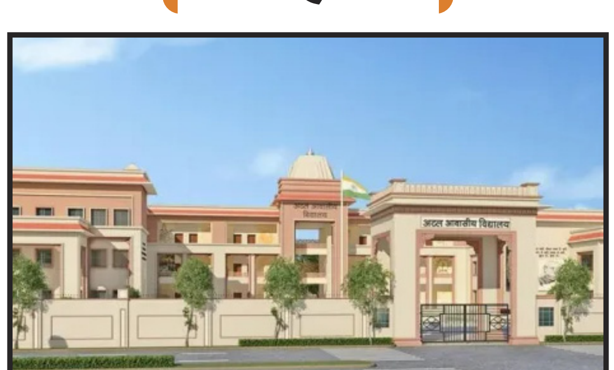

प्रदेश सरकार द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, दैनिक वेतनभोगियों, निर्माण कामगारों तथा निराश्रित अनाथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित 'अटल आवासीय विद्यालय योजना' राज्यभर में सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का एक ऐतिहासिक आधार स्तंभ बनकर उभर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए लागू की गई यह महत्वाकांक्षी योजना वर्तमान समय में प्रदेश के ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी अंचलों में दूरगामी और सकारात्मक बदलाव की वाहक सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से जनपद जौनपुर में इस योजना ने अभावों के बीच जीवन यापन कर रहे निर्धन परिवारों के नौनिहालों के जीवन में ज्ञान और आत्मनिर्भरता का नया सवेरा किया है। जनपद जौनपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन यापन करने वाले असंगठित क्षेत्र के कामगार परिवारों के लिए अपने बच्चों को आधुनिक और उच्चस्तरीय शिक्षा दिलाना सदैव से एक मुश्किल कार्य रहा है। सीमित आमदनी, आजीविका के लिए निरंतर होने वाला भौगोलिक विस्थापन और पारिवारिक दायित्वों के बोझ के कारण इन परिवारों के प्रतिभावान बच्चे अक्सर उत्कृष्ट शैक्षणिक अवसरों से वंचित रह जाते थे। प्रदेश सरकार ने इस मूल समस्या की पहचान करते हुए केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रतिष्ठित नवोदय विद्यालयों और देश के ख्यातिलब्ध पब्लिक स्कूलों के मानकों के अनुरूप अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना की रूपरेखा तैयार की, ताकि अवसरों की असमानता को समाप्त किया जा सके।

योजना की सफलता का अत्यंत प्रेरक और स्पष्ट स्वरूप जनपद जौनपुर के शाहगंज क्षेत्र के ग्राम ताखा में देखने को मिलता है। यहाँ के निवासी श्याम सुंदर एक साधारण दिहाड़ी मजदूर हैं, जिनका संपूर्ण जीवन दैनिक मजदूरी के बल पर परिवार का भरण-पोषण करने में व्यतीत हो रहा था। सीमित और अनिश्चित आय के बावजूद वे अपनी चार पुत्रियों को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने और उन्हें उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने का संकल्प संजोए हुए थे। दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के संघर्ष के मध्य उच्च गुणवत्ता की स्कूली शिक्षा का व्यय वहन करना उनके लिए सर्वथा असंभव प्रतीत होता था।

श्याम सुंदर ने वर्ष 2014 में श्रम विभाग के अंतर्गत अपना पंजीकरण कराया था। श्रम विभाग से ही उन्हें प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिक संतानों के लिए संचालित अटल आवासीय विद्यालय योजना की जानकारी प्राप्त हुई, तो उन्होंने अपनी मेधावी पुत्री जाह्नवी का आवेदन कराया। जाह्नवी ने राज्य स्तर पर आयोजित पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षा में अपनी योग्यता सिद्ध करते हुए सफलता प्राप्त की और सत्र 2024-25 में अटल आवासीय विद्यालय में कक्षा 9 में प्रवेश प्राप्त किया। विद्यालय परिसर में प्रवेश के उपरांत जाह्नवी को आवास, पौष्टिक एवं संतुलित खानपान, अत्याधुनिक शिक्षण सामग्री, यूनिफॉर्म तथा उत्कृष्ट शिक्षकों का मार्गदर्शन पूर्णतः निःशुल्क सुलभ कराया गया। इस अनुकूल शैक्षणिक परिवेश ने जाह्नवी के आत्मविश्वास को नई दिशा प्रदान की, जिसके फलस्वरूप उसने अपनी पढ़ाई पर पूर्ण ध्यान केंद्रित किया। उसकी अनवरत निष्ठा और शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का यह सुफल रहा कि उसने सत्र 2025-26 की हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत उत्कृष्ट अंक अर्जित कर अपने माता-पिता के साथ-साथ संपूर्ण जनपद जौनपुर का नाम रोशन किया। लाभार्थी के पिता का मानना है कि इस योजना के अभाव में आर्थिक विषमताओं के कारण उनकी पुत्री के लिए इतनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त करना संभव नहीं था।

इसी क्रम में जनपद जौनपुर के विकास खंड सिकरारा अंतर्गत ग्राम पचोखर निवासी बुद्धिराम यादव का परिवार भी इस योजना के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुआ है। बुद्धिराम यादव आजीविका के लिए टाइल्स मिस्त्री का श्रमसाध्य कार्य करते हैं। अपने श्रम के बल पर परिवार का पालन करते हुए वे सदैव अपने पुत्र वंशज को एक बेहतर शैक्षणिक पृष्ठभूमि देने के लिए प्रयासरत रहे। उन्होंने सत्र 2024-25 में अटल आवासीय विद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेकर अपने पुत्र का आवेदन कराया, जहाँ वंशज का चयन कक्षा 9 में अध्ययन हेतु हुआ। अटल आवासीय विद्यालय के अनुशासित वातावरण, डिजिटल संसाधनों और शिक्षकों की व्यक्तिगत देखरेख में अध्ययन करते हुए वंशज ने अपनी प्रतिभा को सिद्ध किया। सत्र 2025-26 की हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में वंशज ने 87.4 प्रतिशत अंक हासिल कर यह प्रमाणित किया कि यदि वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को अनुकूल अवसर उपलब्ध कराए जाएं, तो वे उत्कृष्टता के नए प्रतिमान स्थापित कर सकते हैं। बुद्धिराम यादव का स्पष्ट मानना है कि विद्यालय की आधुनिक शिक्षण पद्धति, डिजिटल स्मार्ट कक्षाओं और सर्वांगीण विकास पर केंद्रित वातावरण ने उनके पुत्र के शैक्षणिक स्तर को नई ऊंचाई प्रदान की है। अटल आवासीय विद्यालय योजना केवल श्रमिक परिवारों तक ही सीमित नहीं है, अपितु यह गंभीर पारिवारिक विपत्तियों का सामना कर रहे निराश्रित और अनाथ बच्चों के लिए भी एक मजबूत सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। जनपद जौनपुर के विकास खंड सिरकोनी अंतर्गत ग्राम रमसापुर कबूलपुर की निवासी श्रीमती विद्योत्तमा देवी की आपबीती इस व्यवस्था की संवेदनशीलता को उजागर करती है। एक भीषण सड़क दुर्घटना में अपनी ज्येष्ठ पुत्री अर्चना और दामाद को असमय खो देने के बाद उनके अबोध नाती सावन कुमार के जीवन और शिक्षा पर गहरा संकट उत्पन्न हो गया था।

औरैया में वकील और उनकी टीचर बहन की सरेआम गोली मारकर हत्या की थी

सपा के पूर्व एमएलसी, दो भाइयों समेत 10 को उम्रकैद

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

औरैया। औरैया के बहुचर्चित वकील मंजुल चौबे और उनकी टीचर बहन की हत्या के मामले में 6 साल बाद फैसला आया। बुधवार दोपहर 2 बजे MP-MLA कोर्ट ने सपा के पूर्व MLC कमलेश पाठक, उनके दो सगे भाइयों समेत 10 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। 15 जनवरी 2020 को मंजुल और उनकी बहन सुधा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या की गई थी। उनके घरवालों को दौड़ा-

सुधा, मृतक
दोषी सपा नेता कमलेश

दौड़ाकर पीटा था। वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस पर भी हमला किया था। इस मामले में पुलिस ने 10 दोषियों समेत 19 लोगों पर केस कराया था। इसमें से 11 लोगों को 7-7 की सजा सुनाई है, जबकि 7 साल को बरी कर दिया है।

कैसे हुई थी भाई-बहन की हत्या

■ पुलिस के मुताबिक, वारदात वाले दिन कमलेश उसी जमीन पर कुर्सी डालकर बैठे थे। तभी मंजुल के पिता ने उन्हें बुरा-भला कहा और कुर्सी से गिरा दिया। विवाद होता देख दोनों परिवारों के लोग मौके पर पहुंच गए। कमलेश का भाई संतोष और गनर भी वहां आ गए।

■ विवाद बढ़ने पर गनर ने मंजुल के पिता को गिराकर पीटा। इसी बीच कमलेश और उनके पूर्व ब्लॉक प्रमुख भाई संतोष ने फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से मंजुल और उनकी बहन सुधा जमीन पर गिर पड़े। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

■ सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमलेश, उनके दो सगे भाइयों संतोष और राम समेत 7 लोगों को उसी दिन गिरफ्तार किया। अगले दिन 4 और लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस तरह कुल 11 लोगों की गिरफ्तारी हुई। 2020 में पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। इसमें 11 लोगों को आरोपी बनाया गया।

■ इसी मामले में 11 जुलाई 2020 को 10 आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट लगाया गया। एक आरोपी नाबालिग था, इसलिए उसे जुबेनाइल कोर्ट भेज दिया गया। गनर अवनीश प्रताप सिंह को गैंगस्टर एक्ट के मामले में बरी कर दिया गया था, लेकिन हत्या का केस जारी था।

6 साल में 900 से ज्यादा तारीखें पड़ीं, तब मिला इंसाफ

पिछले 6 साल में मामले में 900 से ज्यादा तारीखें पड़ीं। दोनों पक्षों की ओर से 72 गवाह पेश किए गए। मंजुल के परिवार की तरफ से 33 और कमलेश की तरफ से 39 गवाहों ने गवाही दी। आखिरकार मंजुल के परिवार को इंसाफ मिला। औरैया के भड़ारीपुर गांव के रहने वाले कमलेश पाठक और मंजुल चौबे पहले बहुत अच्छे दोस्त थे। लोग मंजुल को कमलेश पाठक की परछाई तक कहते थे। जब मंजुल चौबे औरैया के तिलक महाविद्यालय से छात्र संघ अध्यक्ष चुने गए, तब कमलेश पाठक उनके सबसे बड़े मददगार के रूप में साथ खड़े रहे।

संभल में युवक के कान में घुसेड़ा सरिया

5 फीट की सरिया पकड़े-पकड़े अस्पताल ले गए

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। यूपी के संभल में पड़ोसी ने युवक के कान में सरिया घुसा दिया। वह चिल्लाते हुए जमीन पर गिर पड़ा और तड़पने लगा। घरवाले 5 फीट लंबी सरिया को हाथ से पकड़े हुए उसे पास के अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे 100 किमी दूर अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। डॉक्टरों ने एक्स-रे किया तो पता चला कि सरिया कान के रास्ते अंदर जाकर सिर की हड्डी में फंस गई थी। डॉक्टरों ने कान के बाहर निकले सरिया के हिस्से को कटर से काटकर अलग किया। फिर 2 घंटे के ऑपरेशन के बाद अंदर घुसे सरिया के हिस्से को निकाला। फिलहाल युवक की हालत स्थिर है। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार शाम 6 बजे किसी बात को लेकर युवक के घरवालों और पड़ोसियों में विवाद हो गया।

■ सरिया कान के रास्ते अंदर जाकर सिर की हड्डी में फंस गई थी।
■ डॉक्टरों ने कान के बाहर निकले सरिया के हिस्से को कटर से काटकर अलग किया।

फास्ट न्यूज

अयोध्या से 800 किमी दूर रिश्वत लेने पहुंचे दरोगा-3 सिपाही

अयोध्या। अयोध्या में साइबर पुलिस में तैनात दरोगा और तीन सिपाही रिश्वत लेने 800 किमी दूर राजस्थान के सीकर पहुंच गए। लेकिन इसकी भनक एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) को लग गई। ACB टीम ने रास्ते में चारों पुलिसकर्मियों को दबोच लिया। मामले की जानकारी मिलने पर अयोध्या SSP , सोहन लाल और गौरव चारग का सस्पेंड कर दिया। चारों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

25 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में अरेस्ट

सहारनपुर। सहारनपुर के बड़गांव थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। चेकिंग के दौरान पुलिस ने बाइक सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही दोनों ने बाइक मोड़कर भागने की कोशिश की। पीछा करने पर कुछ दूरी पर बाइक फिसलकर गिर गई। इसके बाद दोनों बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 25 हजार रुपये का इनामी और गोकशी के मुकदमे में वांछित बदमाश गोली लगने से घायल हो गया।

पत्नी के घर न लौटने पर युवक ने खाया जहर

भदोही। भदोही के थाना क्षेत्र के कुसौड़ा गांव के रहने वाले लालू गौतम ने बुधवार को पत्नी के घर वापस न आने से परेशान होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी हालत बिगड़ने पर भाई अमन ने सुबह करीब 10:38 बजे डायल 112 पर सूचना दी। पीआरबी 7676 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से लालू को सीएचसी सुरियावां में भर्ती कराया।

राम मंदिर ट्रस्ट घोटाले की एसआईटी जांच में 'क्लीन चिट' और 'स्टेटस रिपोर्ट' के अंतर्विरोध पर संजय सिंह ने उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट स्टेटस रिपोर्ट मांग रहा है तो क्लीन चिट की खबरें कहां से आई? - संजय सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

दिल्ली/ लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट के चंपत राय और अनिल मिश्रा को एसआईटी द्वारा 'क्लीन चिट' दिए जाने की खबरों पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्टेटस रिपोर्ट मांगे जाने और मीडिया में क्लीन चिट की खबरों के अंतर्विरोध पर सवाल खड़े किए हैं। संजय सिंह ने एसआईटी अध्यक्ष किरन यस को औपचारिक पत्र लिखकर जमीन घोटाले से संबंधित कुल 26 दस्तावेज (13 पुराने और 13 नए) सौंपने के लिए 20 से 23 अगस्त के बीच का समय मांगा है। सांसद ने आरोप लगाया कि चंपत राय के हस्ताक्षर वाले ये दस्तावेज 2 करोड़ की जमीन 5 मिनट में साढ़े 18 करोड़ में खरीदने जैसे भ्रष्टाचार के पुख्ता प्रमाण हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि मुख्य आरोपियों को बचाना प्रभु श्री राम और राम भक्तों के साथ विश्वासघात है, जिसके खिलाफ वे कल लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। सांसद संजय सिंह ने कहा कि हिंदुस्तान दैनिक अखबार में खबर प्रकाशित हुई है कि चंपत राय और अनिल मिश्रा को एसआईटी ने क्लीन चिट दे दी है, जबकि दैनिक जागरण की 17 अगस्त की खबर के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को जल्द जांच पूरी कर स्टेटस रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। संजय सिंह ने सवाल उठाया कि जब मामला अभी माननीय सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में है और स्टेटस रिपोर्ट मांगी जा रही है, तो आरोपियों को क्लीन चिट कैसे मिल गई? उन्होंने पूछा कि आखिर इन दोनों में से कौन सी खबर सही है, यह स्पष्ट होना चाहिए। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए संजय सिंह ने कहा कि उन्होंने पूर्व में गठित एसआईटी को जमीन घोटाले से संबंधित 13 महत्वपूर्ण दस्तावेज सौंपे थे। इन दस्तावेजों में साफ है कि प्रभु श्री राम के नाम पर आए चंदे का दुरुपयोग किया गया। चंपत राय के हस्ताक्षरों वाले कागजात साबित करते हैं कि मात्र 5 मिनट के भीतर 2 करोड़ की जमीन को साढ़े 18 करोड़ रुपये में खरीदा गया। इसके अलावा 9 करोड़ की जमीन 55 करोड़ में और 1 करोड़ 73 लाख की जमीन 24 करोड़ में खरीदी गई, जो सीधे तौर पर भ्रष्टाचार है।

सांसद संजय सिंह ने मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (SIT) के अध्यक्ष किरन यस को पत्र लिखकर सभी साक्ष्य सौंपने के लिए समय मांगा है। पत्र में उन्होंने अवगत कराया है कि पूर्व में दिए गए 13 दस्तावेजों के अलावा उनके पास जमीन घोटाले से संबंधित 13 और नए दस्तावेज उपलब्ध हैं। संजय सिंह ने एसआईटी अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि वे इन सभी 26 दस्तावेजों को प्राप्त करने के लिए 20 से 23 अगस्त के बीच का समय निर्धारित करें।

पूर्व डिप्टी सीएम का सपा पर तंज

दिनेश शर्मा बोले- पंडितों को सभाओं से भगा देती थी सपा, अब इटावा में मंदिर भी बनेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में पूर्व डिप्टी CM दिनेश शर्मा ने सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- सपा भ्रम की स्थिति में है। इसी वजह से PDA में 'पी' का मतलब कभी पीड़ित, पिछड़ा तो अब पंडित बताया जा रहा है। पहले जिन पंडितों को सपा अपनी सभाओं और प्रेस कॉन्फ्रेंस से भगा देती थी, अब उन्हीं के प्रति श्रद्धा की बात कर रही है। श्रद्धा नाम से नहीं, क्रिया और कर्म से होती है। बुधवार को तुलसी जयंती के मौके पर मानस संगम में संगीत अर्चना और काव्यांजलि कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद पहुंचे थे। उन्होंने कहा- अभी तो इटावा का मंदिर भी बनेगा और रामलला के दर्शन के लिए पूरा परिवार आएगा। उन्होंने कहा- समाजवादी पार्टी भाजपा के कार्यकर्ताओं का सकारात्मक रुख देखकर कुछ नहीं

कर पा रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं के सकारात्मक रवैये से विपक्ष के पास कहने के लिए कुछ नहीं बच रहा है। अखिलेश यादव के केदारेश्वर मंदिर बनवाए जाने के सवाल पर दिनेश शर्मा ने कहा- अभी तो सब रामलला के चरणों में जाएंगे। जो लोग कहते थे कि हम पूजा नहीं करते और भगवान को नहीं मानते, जो कहते थे कि नानी ने अयोध्या जाने से मना किया है, वही केजरीवाल हनुमान चालीसा गाकर आए हैं। जेन-जी और जेन-अल्फा के पीछे कौन है, यह सवाल पूछे जाने पर दिनेश शर्मा ने कहा कि इनके पीछे कौन है।

डिप्टी सीएम बोले- सनातनी घूंसा के आगे कोई नहीं टिकेगा

डिप्टी सीएम ने कहा- समाज के सारे कमजोर वर्ग को इकट्ठा करने के बाद राम चलते हैं। इसलिए ये बजरंग बली का घूंसा बनाने से पहले अगड़ा, पिछड़ा, शोषित, दलित ये मिलाकर सनातनी घूंसा बने। मेरे साथ जोर से बोलिए सियावर रामचंद्र की जय। पवनसुत हनुमान की जय।

भजन-संगीत से हुई कार्यक्रम की शुरुआत

मानस संगम की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भजन और संगीत की प्रस्तुतियां दी गईं। इसके बाद अतिथियों के स्वागत का कार्यक्रम हुआ। दिनेश शर्मा और मंत्री दयाशंकर मिश्रा को गोस्वामी तुलसीदास का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में तुलसीदास के साहित्य और रामचरितमानस के महत्व पर भी चर्चा की गई। तुलसी जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में साहित्य, भक्ति और संगीत का संगम देखने को मिला।

सहारनपुर में गांव वालों ने आरोपी को जूता-चप्पलों की माला पहनाई, जूलूस निकाला

खेत मालिक ने घास काटने गई लड़की के कपड़े फाड़े

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में 14 साल की लड़की से अश्लील हरकत और जबरदस्ती करने वाले आरोपी की ग्रामीणों ने पकड़कर पिटाई कर दी। इसके बाद आरोपी के गले में जूते-चप्पलों की माला डालकर गांव में जुलूस निकाला गया। घटना का वीडियो बनाकर किसी व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस गांव पहुंची और आरोपी की पिटाई में शामिल कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। वहीं, किशोरी पक्ष के लोग भी आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर थाने पहुंच गए।

दोनों पक्षों की ओर से मिली तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना बिहारीगढ़ थाना क्षेत्र में मंगलवार को हुई। किशोरी की मां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मेरी 14 साल की बेटी सोमवार दोपहर अपने 8 और 10 साल के दो छोटे भाइयों के साथ खेत में घास काटने गई थी। इसी दौरान खेत मालिक ने बेटी को पकड़ लिया। उसे गन्ने के खेत में खींचकर ले गया। बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे मजदूर खेत की ओर दौड़े। लोगों को आता देखकर आरोपी पीटने की धमकी देते हुए वहां से भाग गया।

अगले दिन आरोपी को पकड़ा, पिटाई के बाद जुलूस निकाला

शिकायत के बाद मंगलवार को गांव के कुछ लोगों ने आरोपी खेत मालिक को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने उसकी पिटाई की और इसके बाद उसके गले में जूते-चप्पलों की माला डालकर गांव में जुलूस निकाला। इस दौरान गांव के एक युवक ने घटना का वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस को मामले की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही बिहारीगढ़ पुलिस गांव पहुंची। आरोपी की पिटाई में शामिल कुछ लोगों को हिरासत में लिया।

किशोरी पक्ष ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की

पुलिस की कार्रवाई की जानकारी मिलने पर किशोरी पक्ष के लोग भी थाने पहुंच गए। उन्होंने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और उसकी गिरफ्तारी की मांग की। वहीं, आरोपी पक्ष की ओर से भी पुलिस को तहरीर दी गई है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। पुलिस किशोरी की ओर से लगाए गए आरोपों के साथ आरोपी की पिटाई, जूते-चप्पलों की माला पहनाकर जुलूस निकालने और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले की भी जांच कर रही है।

सीओ बेहट प्रिया यादव ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहां उसने उसके कपड़े फाड़ दिए और गलत काम करने की कोशिश की। बेटी के शोर मचाने पर उसके दोनों छोटे भाई मौके पर पहुंचे। विरोध करने पर आरोपी मालिक ने दोनों बच्चों को भी गन्ने से पीटा।

चोरी के मामले में फरार आरोपी हुआ गिरफ्तार

कोर्ट ने जारी किया था एनबीडब्ल्यू

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बिजनौर थाना पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित चल रहे और न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को बुधवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के अनुसार, 17 मार्च 2025 को मानसरोवर सेक्टर-ओ, न्यू गुड़ौरा निवासी राजेश वाजपेयी ने बिजनौर थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि उनकी दुकान पर एक महिला और दो पुरुष जेवर खरीदने के लिए आए थे। कुछ जेवर खरीदने के बाद आरोपियों ने मौका पाकर दुकान से अन्य जेवर चोरी कर लिए थे। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान रिंकी शुक्ला, ऋषि शुक्ला और शमी जोशी के नाम सामने आए। रिंकी और ऋषि को पूर्व में चोरी के मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका था, जबकि शमी जोशी लंबे समय से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ एसीजेएम द्वितीय, लखनऊ की अदालत से गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था।

विवाद : इमरान मसूद ने कहा- नियमों में रहिए, सहारनपुर में नाली को लेकर भिड़े कांग्रेस और सपा नेता

चाय-पकौड़ी खाने थोड़ी आए हैं : आशु मलिक

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में एक बैठक में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और सपा विधायक आशु मलिक के बीच तीखी बहस हो गई। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (DISHA) की बैठक में नाली निर्माण से जुड़े एक मुद्दे पर दोनों नेता आमने-सामने आ गए।

आशु मलिक ने कहा- चाय-पकौड़ी खाने थोड़ी आए हैं? इस पर इमरान मसूद ने जवाब दिया कि आप नियमों में रहिए। काफी देर तक दोनों नेता एक-दूसरे की बात का जवाब देते रहे। बैठक में सपा सांसद इकरा हसन समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अफसर भी मौजूद थे। मंगलवार को हुई इस बहस का बुधवार को वीडियो सामने आया है। इमरान मसूद ने उन्हें बैठक के नियमों के तहत बात रखने को कहा। दोनों नेताओं के बीच कुछ देर तक इसी मुद्दे पर तीखी नोकझोंक होती रही।

नाली निर्माण की जानकारी को लेकर भी मतभेद

DISHA की बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा में नाली निर्माण को लेकर अफसरों से सवाल-जबाव किए जा रहे थे। इमरान मसूद ने जवाब मिलने के बाद आशु मलिक से सवाल पूछने के लिए कहा।

आशु मलिक के प्रस्तावक बने थे इमरान मसूद

आशु मलिक मूलरूप से गाजियाबाद के रहने वाले हैं। वे अखिलेश यादव के खासम-खास माने जाते हैं। जब 2022 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इमरान मसूद कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी में आए, तो अखिलेश यादव ने उन्हें सरकार बनने पर एडजस्ट करने का वादा किया था। वहीं, सहारनपुर देहात से सपा प्रत्याशी आशु मलिक को जिताने की जिम्मेदारी भी उन्हीं को दे दी। नतीजा यह हुआ कि इमरान को आशु मलिक का प्रस्तावक बनना पड़ा था।

पहले से चल रही इमरान मसूद और आशु मलिक में तनातनी

इमरान मसूद और आशु मलिक के बीच राजनीतिक मतभेद कोई नया मामला नहीं है। पिछले कुछ समय से दोनों नेता अलग-अलग मुद्दों पर एक-दूसरे के खिलाफ बयान देते रहे हैं। सार्वजनिक मंचों पर भी दोनों के बीच तल्खी दिखाई देती रही है। DISHA की बैठक में दोनों का आमना-सामना होने के बाद पहले से चली आ रही राजनीतिक खींचतान खुलकर सामने आ गई। हालांकि बैठक का एजेंडा जिले के विकास कार्यों की समीक्षा था। लेकिन, नेताओं के बीच हुई बहस ने इसे राजनीतिक चर्चा का विषय बना दिया।

आखिर में आशु मलिक ने मामले की जांच कराने की बात कही, जिस पर इमरान मसूद ने भी सहमति जताई। हालांकि बैठक का एजेंडा जिले के विकास कार्यों की समीक्षा था।

लेकिन, नेताओं के बीच हुई बहस ने इसे राजनीतिक चर्चा का विषय बना दिया।

पीएचसी सरोजिनी नगर में टीबी मरीजों को बांटी पोषण पोटली

पौधरोपण के साथ अंगदान के लिए किया जागरुक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरोजिनी नगर में बुधवार को स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के अंतर्गत लखनऊ मारवाड़ी महिला समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता केजीएमयू के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मोनिका अग्रवाल ने की। प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती रेखा लाठ और प्रांतीय सचिव श्रीमती बबीता बागड़िया मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के उद्देश्य से टीबी रोगियों को पोषण पोटली वितरित की गई। मरीजों को नियमित रूप से दवाओं का सेवन करने, पौष्टिक आहार लेने और

चिकित्सकीय सलाह के अनुसार उपचार का पूरा कोर्स करने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने में सहयोग करने वाले मोबिलाइजर्स को छाते वितरित किए गए। 'अंगदान जीवन का दान, जीवन का सम्मान' संदेश के माध्यम से लोगों से अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने और समाज में इसके प्रति अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी महिला समिति की पदाधिकारी अनुराधा बंसल, मधु लाठ, सुशीला अग्रवाल, पल्लवी अग्रवाल, आभा अग्रवाल सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे। पीएचसी सरोजनी नगर के प्रभारी डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. वसीम, नीरज यादव, राम जानकी, डॉ. प्रीती, मोबिलाइजर्स रतनेश यादव, महावीर, राहुल, जय प्रताप यादव समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोविंद नगर थाने में समन्वय बैठक, सुरक्षा व्यवस्था पर मंथन

त्योहारों को लेकर पुलिस अलर्ट

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। आगामी ईद, रक्षाबंधन और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मंगलवार रात करीब 10 बजे गोविंद नगर थाने में पुलिसकर्मियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी अजय वर्मा के नेतृत्व में हुई बैठक में पर्वों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, ड्यूटी की तैयारियों और पुलिस-कर्मियों की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में थाना क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, धार्मिक स्थलों और संवेदनशील इलाकों

की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष रूप से मंथन किया गया। अधिकारियों ने पर्वों के दौरान संभावित भीड़ और लोगों की आवाजाही को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती तथा ड्यूटी व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मियों से सुझाव भी लिए। थाना प्रभारी ने कहा कि त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोग बाजारों और धार्मिक स्थलों पर पहुंचते हैं। ऐसे में पुलिसकर्मी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखें और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें। अजय वर्मा ने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि सभी जवान आपसी समन्वय के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें। पर्वों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संवेद-नशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी सूचना को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए।

पुलिसकर्मियों की समस्याओं पर भी चर्चा

बैठक में पुलिसकर्मियों की व्यक्तिगत और विभागीय समस्याओं पर भी चर्चा हुई। जवानों से वेतन, बीमा, स्वास्थ्य सुविधाओं, सेवा संबंधी मामलों और ड्यूटी के दौरान आने वाली व्यावहारिक परेशानियों की जानकारी ली गई। थाना प्रभारी ने कहा कि थाना स्तर पर समाधान योग्य समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण किया जाएगा। उच्च स्तर से संबंधित मामलों को अधिकारियों तक पहुंचाकर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। पुलिसकर्मियों के परिवारों से जुड़े कल्याणकारी विषयों पर भी चर्चा की गई। थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य माहौल मिलने से उनकी कार्यक्षमता बढ़ती है। इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच नियमित संवाद जरूरी है।

थाना प्रभारी अजय वर्मा ने कहा कि त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है, जिससे पुलिस की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। उन्होंने पुलिसकर्मियों को अपने-अपने ड्यूटी प्वाइंट पर मुस्तैद रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या विवाद की सूचना तत्काल उच्च अधिकारियों को देने के निर्देश दिए।

छात्रों को आधुनिक तकनीक और रोजगार के अवसरों की दी जानकारी

मेरठ के एमआईईटी में ए.आई वर्कशॉप

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) में छात्र-छात्राओं के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैमसंग के एआई एक्सपर्ट ने विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की आधुनिक तकनीकों और उनके व्यावहारिक उपयोग की विस्तार से जानकारी दी। वर्कशॉप के दौरान छात्रों को मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, डीप लर्निंग, कंप्यूटिंग और कंपाउंड कंप्यूटिंग सहित एआई से जुड़ी विभिन्न तकनीकों के बारे में समझाया गया। विशेषज्ञ ने कहा कि आने वाले समय

में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा, लेकिन इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए युवाओं का स्किल्ड होना बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ नए और आधुनिक स्किल्ड कोर्स भी किए जाएं, ताकि वे बेहतर तरीके से रोजगारपरक बन सकें। कार्यक्रम के दौरान सैमसंग की ओर से विभिन्न गतिविधियों और गेमिंग एक्टिविटीज का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में कार्यक्रम संयोजक रितिमा का विशेष योगदान रहा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ नई तकनीकों और बदलते औद्योगिक परिवेश की जानकारी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी छात्रों के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे वे तकनीकी शिक्षा के साथ अतिरिक्त ज्ञान और आधुनिक कौशल हासिल कर सकें।

फास्ट न्यूज

सीए के घर-दफ्तर पर आयकर का छापा

आगरा। आगरा में हवाला लेन-देन और विदेश भेजी गई रकम के कनेक्शन की जांच के लिए आयकर विभाग ने मंगलवार को कार्रवाई की। जांच शाखा की टीम ने सीए रेहान खान के काला महल/माल का बाजार स्थित घर और कार्यालय पर छापा मारा। अधिकारियों ने कई घंटे तक दस्तावेज और लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाले। पूछताछ के बाद टीम सीए रेहान खान को अपने साथ ले गई।

बोलेरो ने पिकअप को मारी टक्कर

अलीगढ़। अलीगढ़ के बरला थाना क्षेत्र में मंगलवार रात तेज रफ्तार बोलेरो ने गमी में शामिल होने जा रहे ग्रामीणों से भरी पिकअप में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप सवार चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद बोलेरो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, अलफपुर निवासी चालक गुड्डू पुत्र रामखिलाड़ी मंगलवार रात करीब 8 :30 बजे पिकअप संख्या UP 80 GT 1444 से ग्रामीणों को लेकर सासनी में गमी में शामिल होने जा रहे थे। पहाड़ीपुर मोड़ के पास पीछे से तेज रफ्तार में आ रही बोलेरो संख्या UP 81 CD 0146 ने पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी।

लुटेरी दुल्हन की तलाश में प्रयागराज जाएगी आगरा पुलिस

आगरा। आगरा में लुटेरी दुल्हन का यह पहला मामला नहीं है। ताजनगरी में इससे पहले भी शादी के बाद जेवर और नकदी लेकर दुल्हन के फरार होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पिछले साल सामने आए एक मामले में तो पीड़ित परिवार खुद लुटेरी दुल्हन और उसके कथित रिश्तेदारों को तलाशकर पुलिस के पास लेकर पहुंचा था।

मुरादाबाद में 7 महीने के भीतर पॉक्सो कोर्ट ने सुनाया फैसला, गर्भवती हो गई थी पीड़िता

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को 25 साल की कैद

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी युवक को दोषी करार देते हुए 25 साल के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 1 लाख 3 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। मामले की सुनवाई महज सात महीने में पूरी कर अदालत ने फैसला सुनाया। शिकायत मिलने के बाद कटघर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी राशिद को गिरफ्तार कर लिया और उसे जेल भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने संबंधित साक्ष्य जुटाए और गवाहों के बयान दर्ज

किए। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिया। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर राशिद को दोषी करार दिया। कोर्ट ने उसे 25 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 1.03 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। अदालत के फैसले के बाद मामले में पुलिस की ओर से की गई त्वरित विवेचना और समयबद्ध सुनवाई को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज होने के बाद विवेचना पूरी कर आवश्यक साक्ष्य और गवाहों के बयान अदालत में पेश किए। इसके बाद पॉक्सो कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई और महज सात महीने के भीतर फैसला सुनाया गया। अदालत के इस फैसले से नाबालिगों के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों में त्वरित न्याय की प्रक्रिया को बल मिलने की उम्मीद है।

14 साल की किशोरी से दुष्कर्म का आरोप

मामला कटघर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पीड़िता के पिता ने 26 जनवरी 2026 को कटघर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, गांव निवासी राशिद ने 14 वर्षीय किशोरी को डराने-धमकाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। परिजनों के मुताबिक, घटना के बाद किशोरी गर्भवती हो गई थी। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने उसका गर्भपात भी करा दिया।

पॉक्सो कोर्ट में हुई मामले की सुनवाई

मामले की सुनवाई पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 की विशेष न्यायाधीश छाया शर्मा की अदालत में हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से मामले से जुड़े साक्ष्य और गवाह अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए।

महिला कोच का वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग के आरोप

मुरादाबाद। मुरादाबाद में सोनकपुर स्टेडियम की महिला कोच ने स्टेडियम में प्रैक्टिस करने आने वाले कुछ खिलाड़ियों पर वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग करने का आरोप लगाया है। महिला कोच ने इस मामले में एसएसपी मुरादाबाद से शिकायत की है। पुलिस कप्तान ने सिविल लाइंस पुलिस को मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

महिला कोच ने अपनी शिकायत में कहा है कि कुछ समय पहले तक 6 खिलाड़ी स्टेडियम में प्रैक्टिस करने आते थे। कोच का आरोप है कि ये खिलाड़ी स्टेडियम में नशीले पदार्थों का सेवन करते थे। इसी कारण उन्होंने इन खिलाड़ियों को डांटकर स्टेडियम से भगा दिया था। इसी बात से आरोपी चिढ़ गए। महिला कोच का आरोप है कि इन खिलाड़ियों ने उनकी एक आपत्तिजनक वीडियो तैयार कर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी है।

सौतेली बेटी ने प्रेमी संग की मां की हत्या

धारदार हथियार से गला काटकर धड़ से अलग किया

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में सौतेली बेटी उन्नति ने अपने प्रेमी आशीष चौहान संग मिलकर मां की धारदार हथियार से गला रेतकर नृशंस हत्या कर दी। हत्या के बाद लाश को 100 किमी दूर रुढ़की की मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के पास नहर में जाकर फेंक दिया। मंगलवार को गंगनहर पुल के पास रुढ़की में आते-जाते लोगों ने महिला की अज्ञात लाश बोरी में पड़ी देखी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। वहीं फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर सुबूत जुटाए। तफ्तीश में पता चला कि लाश मेरठ की 40 साल की महिला की है। जांच में पता चला कि महिला की हत्या उसकी सौतेली बेटी उन्नति ने

प्रेमी आशीष के साथ मिलकर की है। पुलिस अन्य जानकारी जुटा रही है। पुलिस की जांच में पता चला की आरोपियों ने कार में महिला का सिर धड़ से अलग कर शव को बोरी में बंद कर रुड़की की नहर में फेंक दिया और दोनों लोग फरार हो गए। इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा तब हुआ, जब मंगलौर में सिंचाई विभाग दफ्तर के पास स्थानीय लोगों ने एक बोरी में बंद सिरकटी लाश देखी। इसके बाद मौके पर जुटी भीड़ ने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी।

बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के बाद महिला की मौत

4 नंबर गेट के पास अचानक बिगड़ी तबीयत, सुबह दिल्ली से मथुरा आई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में बुधवार को दर्शन करने आई दिल्ली की 60 साल की महिला की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। महिला दर्शन के बाद मंदिर के 4 नंबर गेट से बाहर निकल रही थी, तभी गश खाकर बैठ गई। मंदिर कर्मचारियों ने उसे संभाला और डॉक्टर को बुलाया। हालत गंभीर होने पर एंबुलेंस से जिला संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान दिल्ली के मधुवन इलाके की रहने वाली शालिनी सिक्का के रूप में हुई है। प्रारंभिक तौर पर मौत की वजह हार्ट

अटैक की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, डॉक्टरों के मुताबिक मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम के बाद ही स्पष्ट हो सकता है। शालिनी सिक्का बुधवार को अपने घर पर काम करने वाले लोगों के साथ वृंदावन आई थीं। उन्होंने बांके बिहारी मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद वह साथ आए लोगों के साथ 4 नंबर गेट से बाहर निकल रही थीं। तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह जमीन पर बैठ गईं। साथ आए लोगों ने उन्हें उठाने की कोशिश की, लेकिन वह खड़ी नहीं हो सकीं। महिला की हालत देखकर मंदिर कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए। मंदिर कर्मचारियों ने महिला को उठाकर पंखे के नीचे बैठाया और मंदिर पर तैनात डॉक्टरों को सूचना दी। डॉक्टर मौके पर पहुंचे और महिला की जांच की। हालत गंभीर होने पर उन्होंने तत्काल अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इसके बाद मंदिर कर्मचारियों ने साथ आए लोगों की मदद से एंबुलेंस बुलाकर महिला को जिला संयुक्त चिकित्सालय भेजा। अस्पताल की इमरजेंसी में डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया।

चाय बनाते समय गैस सिलेंडर फटा

दीवारें और दरवाजे उखड़कर दूर जा गिरे, लोग बाल-बाल बचे

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के थाना एकता क्षेत्र के खेड़ा पचगाई में बुधवार सुबह चाय बनाते समय सिलेंडर में धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि घर की दीवारें और दरवाजे दूर जा गिरे। हादसे के समय घर में मौजूद लोग भागकर बाहर निकले तो जान बची। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। खेड़ा पचगाई निवासी उदयभान पुत्र राधेश्याम के घर बुधवार सुबह करीब 7 बजे हादसा हुआ। उदयभान की बेटी सुबह उठकर चाय बनाने के लिए रसोई में गई और गैस पर चाय चढ़ा दी। इसी दौरान सिलेंडर से गैस रिसाव हो रहा था। लोगों ने बताया कि पहले सिलेंडर ने आग पकड़ ली। घर

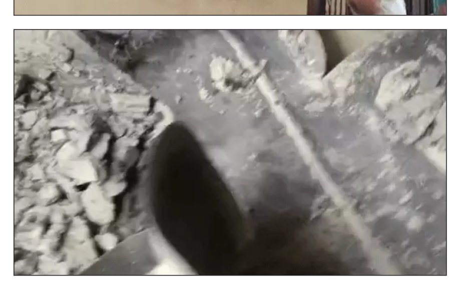

वालों ने घबराकर जलते हुए सिलेंडर को बाहर फेंकने की कोशिश की, लेकिन वह किसी चीज में अटक गया। कुछ ही देर में जोरदार धमाका हो गया।

बाल-बाल बचे लोग

हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन घर का सारा सामान नष्ट हो गया। पड़ोसियों का कहना है कि अगर सिलेंडर को बाहर फेंकने में देरी हो जाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था।पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में गैस रिसाव के कारण हादसा होना सामने आया है। सिलेंडर के अवशेष जांच के लिए लिए गए हैं। मामले की आगे जांच की जा रही है।घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। लोगों ने रसोई में गैस का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने की अपील की है।

धमाके से उड़ी दीवारें

धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी मच गई। धमाके से घर की सारी दीवारें और दरवाजे उखड़कर दूर जा गिरे। घर के अंदर मौजूद लोग किसी तरह भागकर बाहर आए।स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल की टीम ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू की।

पृष्ठ 01 का शेष...

मराठी नहीं जानने ...

लेकिन यह साफ नहीं किया कि आखिर कितनी मराठी जानना जरूरी होगी। उनका कहना है कि नियम स्पष्ट नहीं होने पर RTO में भ्रष्टाचार और ड्राइवरों के आर्थिक शोषण की आशंका बढ़ सकती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो-टैक्सी ड्राइवर दूसरे राज्यों से आए हुए हैं और उन्हें मराठी नहीं आती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी ड्राइवर यूपी, बिहार और दूसरे राज्यों से आते हैं। इनमें कई ड्राइवरों को मराठी नहीं आती या वे बहुत कम मराठी बोल पाते हैं। ऐसे ड्राइवरों को लाइसेंस और परमिट रद्द होने का डर है। सरकार के मुताबिक, महाराष्ट्र में करीब 9.16 लाख ऑटो-रिक्शा और 61,657 टैक्सियां हैं। इनमें बड़ी संख्या मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (MMR) में चलती हैं। सरकार करीब 6 लाख ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों को मराठी सीखने की पहल से जोड़ना चाहती है। सरनाईक ने बताया कि कुछ महीने पहले शुरू किए गए इस अभियान में अब तक 1,65,601 ड्राइवर शामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र में ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों के लिए आदेश जारी करने वाले मंत्री प्रताप सरनाईक की कहानी थोड़ी दिलचस्प है। राजनीति में आने से पहले उन्होंने ठाणे में खुद ऑटो-रिक्शा चलाया। परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी, इसलिए शुरुआती दिनों में उन्होंने अगरबत्ती और कैलेंडर भी बेचे। बाद में किस्मत बदली और उन्होंने रियल एस्टेट और हॉस्पिटैलिटी कारोबार में कदम रखा। वे विहंग ग्रुप से जुड़े और 2024 के चुनावी हलफनामे में अपना पेशा बिल्डर और होटल बिजनेस बताया। अभी शिंदे गुट की शिवसेना के विधायक हैं। केंद्रीय मंत्री और RPI(A) प्रमुख रामदास आठवले ने ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों का समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि मराठी नहीं जानने वाले ड्राइवरों पर तुरंत कार्रवाई करना सही नहीं होगा। आठवले के मुताबिक, कई ड्राइवर मराठी सीख रहे हैं, इसलिए उन्हें और समय दिया जाना चाहिए। परमिट रद्द करने जैसी कार्रवाई से विवाद बढ़ सकता है और दूसरे राज्यों से आए ड्राइवरों की रोजी-रोटी प्रभावित हो सकती है।

नीट का सिस्टम ...

सरकार ने कहा कि प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उन्हें परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीय रखा जाता है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने करीब तीन महीने बाद एक बार फिर NTA की परीक्षा प्रणाली को लेकर अपनी चिंता जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि संस्था को UPSC की तरह ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिसमें परीक्षा संचालन से जुड़ा संस्थागत अनुभव लगातार बना रहे। अदालत का मानना है कि केवल नियम और प्रक्रियाएं बनाना पर्याप्त नहीं है। परीक्षा व्यवस्था को इस तरह तैयार करना जरूरी है कि अधिकारियों के तबादले के बावजूद संस्था की कार्यप्रणाली और अनुभव प्रभावित न हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि नई तकनीक की समझ रखने वाले अधिकारियों को सिस्टम में शामिल किया जाना चाहिए। इसके साथ ही अनुभवी अधिकारियों के बार-बार तबादले से बचने की सलाह दी गई, ताकि परीक्षा व्यवस्था में विशेषज्ञता और अनुभव लगातार बना रहे। सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा प्रणाली की खामियों को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि कागज पर किसी भी प्रक्रिया को बेहतर और सुरक्षित दिखाया जा सकता है, लेकिन वास्तविक चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि एक परीक्षा समाप्त होने के बाद अगली परीक्षा तक वही कमजोरियां दोबारा सिस्टम में वापस न आएं। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि परीक्षा प्रक्रिया को लगातार अपडेट और मजबूत करते रहना होगा। इसके लिए तकनीक, अनुभवी अधिकारियों और बेहतर निगरानी व्यवस्था का इस्तेमाल किया जाना जरूरी है। इन सिफारिशों का उद्देश्य परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाना था। अब सुप्रीम कोर्ट की ओर से NTA को UPSC जैसा मजबूत सिस्टम बनाने पर जोर दिए जाने के बाद परीक्षा सुधारों को लेकर चर्चा फिर तेज हो गई है। अब सुप्रीम कोर्ट की ओर से NTA को UPSC की तरह संस्थागत और मजबूत परीक्षा व्यवस्था विकसित करने की सलाह दिए जाने से परीक्षा प्रणाली में सुधार की जरूरत एक बार फिर सामने आई है। अदालत ने संकेत दिया कि परीक्षा व्यवस्था को केवल मौजूदा सुरक्षा उपायों तक सीमित रखने के बजाय भविष्य की तकनीकी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए लगातार मजबूत किया जाना चाहिए। अनुभवी अधिकारियों की विशेषज्ञता को संस्था के भीतर बनाए रखने और नई तकनीक से परिचित अधिकारियों को जिम्मेदारी देने पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

युवाओं से सीधे जुड़ेंगे ...

सूत्रों के मुताबिक, सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य जेन Z यानी युवा पीढ़ी से सीधे जुड़ना है। विश्वविद्यालयों में बड़ी संख्या में युवा पढ़ाई करते हैं और सोशल मीडिया तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए देश-दुनिया के मुद्दों पर अपनी राय रखते हैं। ऐसे में सरकार चाहती है कि मंत्री छात्रों के बीच जाकर उनसे सीधे संवाद करें और उनकी प्राथमिकताओं, समस्याओं तथा विचारों को समझें। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को अपनी बात रखने का भी अवसर मिलेगा। सूत्रों के अनुसार, इस कार्यक्रम के लिए शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी और युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया को समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों मंत्री विश्वविद्यालयों के चयन और वहां जाने वाले केंद्रीय मंत्रियों के कार्यक्रम के बीच तालमेल स्थापित करेंगे। इसके तहत अलग-अलग विश्वविद्यालयों में केंद्रीय मंत्रियों के दौरे की योजना तैयार की जाएगी। हालांकि, अभी मंत्रियों के विश्वविद्यालय दौरे का विस्तृत कार्यक्रम सामने नहीं आया है। 'वन डे, वन यूनिवर्सिटी' कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री छात्रों के साथ कई विषयों पर बातचीत करेंगे। इनमें शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, स्टार्टअप, खेल, तकनीक और युवाओं से जुड़ी अन्य योजनाएं शामिल हो सकती हैं। सरकार की कोशिश होगी कि छात्रों को केंद्र की योजनाओं के बारे में सीधे जानकारी मिले और यह भी समझा जा सके कि इन योजनाओं को लेकर युवाओं की क्या प्रतिक्रिया है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में भी इस योजना पर चर्चा हुई। हालांकि, सरकार की ओर से अभी कार्यक्रम की आधिकारिक रूपरेखा और मंत्रियों के दौरे का पूरा शेड्यूल जारी नहीं किया गया है। योजना के लागू होने के बाद केंद्रीय मंत्रियों के विश्वविद्यालयों में लगातार दौरे होने की संभावना है। इससे सरकार और युवा वर्ग के बीच सीधे संवाद का एक नया माध्यम तैयार हो सकता है। इस योजना की चर्चा ऐसे समय में हो रही है, जब दिल्ली में 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार को विरोध का सामना करना पड़ा था। प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई के बाद विपक्ष ने संसद के मानसून सत्र में भी सरकार के खिलाफ विरोध जताया और कई मौकों पर कार्यवाही बाधित हुई। इसके बाद 25 जुलाई को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की बात भी सामने आई थी। अब सरकार की 'वन डे, वन यूनिवर्सिटी' पहल को युवाओं के साथ सीधा संवाद बढ़ाने और उनके बीच सरकार की पहुंच मजबूत करने की दिशा में एक कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

तमिलनाडु में ...

उधर, तमिलनाडु सरकार ने छात्रों और युवाओं को लेफ्ट पार्टियों और कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शनों में शामिल होने से रोकने वाला विवादित निर्देश वापस ले लिया है। DMK ने इस फैसले की जरूरत पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने कहा कि राज्य में लोगों से जुड़े कई मुद्दे हैं, जिन पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। विजय सरकार ने कॉलेज छात्रों के विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने पर रोक लगाने वाला आदेश एक दिन बाद वापस ले लिया। 18 अगस्त को जारी सर्कुलर में कहा था कि स्कूल-कॉलेज के छात्र और युवा वाम दलों और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनों में शामिल नहीं हो सकते।

सिंक्विफील्ड कप में मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराया, वेस्ली सो के साथ टॉप पर

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में पहुंचे

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर (GCT) के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। उन्होंने सिंक्विफील्ड कप के 8वें राउंड में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (MVL) को काले मोहरों से 27 चाल में हरा दिया। इस जीत से प्रज्ञानानंदा के 5 अंक हो गए और वे अमेरिका के वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए। राउंड-8 के बाद प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के 5-5 अंक हैं। दोनों संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव 4.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि फैबियानो कारुआना और MVL के 4-4 अंक हैं। अब टूर्नामेंट में सिर्फ एक राउंड बाकी है। सिंकफील्ड कप 10 खिलाड़ियों का 9 राउंड का टूर्नामेंट है। राउंड-8 के बाद वेस्ली सो और आर प्रज्ञानानंदा 5-5 अंक के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव और विंसेंट केमर 4.5-4.5 अंक के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। फैबियानो कारुआना, लेवोन एरोनियन, मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और सैम सेवियन के 4-4 अंक हैं। अब सिर्फ एक राउंड बाकी है। इसलिए आखिरी राउंड में खिताब की रेस बेहद रोचक होगी। प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के बीच सिर्फ आधे अंक का नहीं, बल्कि बराबरी का मुकाबला है दोनों के 5-5 अंक हैं। वहीं 4.5 अंक वाले सिंदारोव और केमर भी खिताब की रेस में बने हुए हैं।

सेंट लुइस में होगा जीसीटी फाइनल

ग्रैंड चेस टूना का फाइनल 21 से 28 अगस्त तक सेंट लुइस चेस क्लब में खेला जाएगा। टूर के टॉप-4 खिलाड़ी नॉकआउट फॉर्मेट में खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। प्रज्ञानानंदा ने सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज का खिताब जीतकर भी टूर में अहम अंक जुटाए थे।

> प्रज्ञानानंदा और एमवीएल के बीच मुकाबले की शुरुआत रुई लोपेज ओपनिंग से हुई। प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए शुरुआती दौर में स्थिति को संतुलित रखा। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे बढ़त मिली और 27वीं चाल के बाद एमवीएल ने मुकाबला छोड़ दिया।

दिव्या देशमुख 4 अंक के साथ संयुक्त 5वें स्थान पर

चीन की ग्रैंडमास्टर तान झोंगयी ने केर्न्स कप शतरंज टूर्नामेंट के 8वें राउंड में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा को हराकर अपने अंक 6.5 कर लिए। अब तान खिताब से सिर्फ आधा अंक दूर हैं। अमेरिका की 16 साल की इंटरनेशनल मास्टर (IM) एलिस ली 5.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

राउंड-8 के बाद स्टैंडिंग

1	वेस्ली सो	5 अंक, संयुक्त पहला
2	आर प्रज्ञानानंदा	5 अंक, संयुक्त पहला
3	जावोखिर सिंदारोव	4.5 अंक, संयुक्त तीसरा
4	विंसेंट केमर	4.5 अंक, संयुक्त तीसरा
5	फैबियानो कारुआना	4 अंक
6	लेवोन एरोनियन	4 अंक
7	मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव	4 अंक
8	सैम सेवियन	4 अंक
9	अनिश गिरी	3.5 अंक
10	जॉर्डन वान फोरेस्ट	1.5 अंक

भारत 600वें टेस्ट में जीता श्रीलंका 165 रन से हारा

मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। यह भारत का 600वां टेस्ट मैच था।

भारत की जीत के हीरो 24 साल के लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार रहे। उन्होंने श्रीलंका की दूसरी पारी में 6 विकेट सहित मैच में 10 विकेट लिए। देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस मैच में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन की पारी खेली। मैच के पांचवें दिन बुधवार को दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर 75 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन था। सुथार ने अगले ओवर में तीन विकेट लेकर भारत की जीत लगभग तय कर दी। इस ओवर में सुथार ने सोनल दिनुषा, प्रभात जयसूर्या और लाहिरु कुमारा को आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9 विकेट पर 199 रन हो गया। सुथार ने अपने अगले ओवर में केशरा नुवांथा को आउट कर श्रीलंका की पारी समेट दी।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। देवदत्त पडिक्कल ने तीसरे नंबर पर उतरकर 230 गेंद में 167 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके और एक छक्का था। उन्होंने केएल राहुल के साथ 162 रन की साझेदारी की।

केएल राहुल ने 82, ध्रुव जुरेल ने 51 और ऋषभ पंत ने 39 रन बनाए। भारत ने 462 रन बनाए।

वर्ल्डकप में भारतीय विमेंस हॉकी टीम की सबसे बड़ी जीत

साउथ अफ्रीका को 6-1 से हराया, 52 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका को 6-1 से हरा दिया। टीम इस जीत के साथ पुल-D के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। टॉप-8 में पहुंचने के लिए टीम को आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ खेलना होगा। हारने कि स्थिति में चीन के खिलाफ साउथ अफ्रीका के जीत की दुआ करनी होगी। भारत की यह जीत विमेंस वर्ल्ड कप में उसकी अब तक की सबसे बड़ी जीत है। भारतीय महिलाओं ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे बड़ी जीत 1974 में स्पेन के खिलाफ दर्ज की थी। तब भारतीय विमेंस टीम ने 4-1 से जीत हासिल की थी।

एम्सटेलवीन में खेले गए पूल-D के मुकाबले में पहले क्वार्टर में सुनेलिता टोप्पो ने गोल कर भारत का खाता खोला। इसके बाद नवनीत कौर और सुशीला चानू के गोल से भारत ने 3-0 से बढ़त बनाई। फिर दीपिका, लालरेम-सियामी और साक्षी राणा ने गोल कर स्कोर 6-0 कर दिया। साउथ अफ्रीका के लिए एकमात्र गोल डी वाल कायला ने 55वें मिनट में किया।

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत भी तेज की। 17वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार गोल किया। उन्होंने एंगल बदलते हुए लो और तेज शॉट लगाया, जिसे साउथ अफ्रीकी गोलकीपर रोक नहीं सकीं। इसके साथ भारत की बढ़त 2-0 हो गई। इसके बाद भारत ने साउथ अफ्रीका पर दबाव बनाए रखा। लगातार सर्कल एंट्री और तेज पासिंग के जरिए भारतीय टीम गोल के मौके बनाती रही। 24वें मिनट में भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले।

25वें मिनट में भारत ने तीसरा गोल किया। दीपिका के ड्रैगफ्लिक को साउथ अफ्रीका की पहली रशर से डिफ्लेक्शन मिला और गेंद सुशीला के पास पहुंची। सुशीला ने मौके का फायदा उठाते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया।

2036 ओलिंपिक में टॉप-10, 2048 में टॉप-5 आने का टारगेट, पिछली बार 71वां नंबर था

सरकार 5 साल में खेलों पर ₹36,441 करोड़ खर्चेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत सरकार अगले 5 साल में खेलों में 36,441 करोड़ रुपए खर्च करेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) ने मंगलवार को बताया कि खेलो इंडिया योजना के तहत यह पैसा 2026 से 2031 तक खर्च किया जाएगा।

सरकार ने बजट जारी करने के साथ ओलिंपिक के लिए मेडल टारगेट भी तय किए हैं। सरकार का लक्ष्य 2036 ओलिंपिक की मेडल लिस्ट के टॉप-10 और 2048 ओलिंपिक में टॉप-5 देशों में जगह बनाना है। भारत 2036 ओलिंपिक की मेजबानी करना चाहता है, जबकि 2048 ओलिंपिक में भारत की आजादी के 100 साल पूरे हो चुके होंगे। भारत ने पेरिस ओलिंपिक 2024 में सिर्फ 6 मेडल जीते थे। मेडल टेली में भारत 71वें स्थान पर था। 2036 में 12-14 गोल्ड समेत कुल 30-35 मेडल और 2048 में 35-40 गोल्ड समेत कुल 90-100 मेडल जीतने का लक्ष्य रखा गया है। इसे हासिल करने के लिए प्रतिभाओं की पहचान, खेल ढांचे में सुधार, कोचिंग की क्वालिटी बढ़ाने, खेल विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर फोकस किया जाएगा। रिवैंप्ड योजना के तहत केंद्र और राज्य के बीच खर्च बांटने का अनुपात 60:40 रखा गया है। इसमें 30 हजार खिलाड़ियों को सहयोग देने का प्लानिंग है। SAI रीजनल सेंटर मुंबई ने एक रिलीज में कहा कि रिवैंप्ड खेलो इंडिया योजना महाराष्ट्र के मौजूदा स्पोर्ट्स इको सिस्टम को मजबूत करने का मौका देगा।

पेरिस ओलिंपिक में भारत ने 6 मेडल जीते थे। PM मोदी सभी ओलिंपिक मेडलिस्ट से मिले थे।

खिलाड़ियों की संख्या 10 गुना करने का लक्ष्य

SAI रीजनल सेंटर मुंबई के क्षेत्रीय निदेशक पांडुरंग चाटे ने कहा कि रिवैंप्ड खेलो इंडिया योजना का मकसद अलग-अलग योजनाओं के बजाय खिलाड़ियों के लिए पूरी खेल यात्रा तैयार करना है। रिवैंप्ड योजना का बजट 8 गुना बढ़ाने का लक्ष्य है। 2026 से 2031 के बीच योजना के तहत मदद पाने वाले खिलाड़ियों की संख्या भी 10 गुना बढ़ाई जाएगी।

मनोरंजन

आएशा खान ने शेयर कीं सगाई की तस्वीरें

मिस्ट्री मैन के साथ डायमंड रिंग फ्लॉन्ट की, करण औजला से जुड़ा नाम

नई दिल्ली। रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' के हिट गाने 'शरारत' में नजर आईं आयशा खान सगाई की तस्वीरों से सुर्खियों में आ गई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर सगाई की थीम जैसी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वो डायमंड रिंग भी फ्लॉन्ट करती दिखी हैं। हालांकि कई फैंस का मानना है कि ये उनके किसी गाने का पब्लिसिटी स्टंट हो सकता है। वहीं कुछ लोग तस्वीरों में दिखे मिस्ट्री मैन की तुलना सिंगर करण औजला से कर रहे हैं।

आएशा खान ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, एक सपना।

आएशा खान की ये तस्वीरें किसी जूलरी ब्रांड का प्रमोशन हो सकती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट के कैप्शन में एक जूलरी ब्रांड को मेंशन करते हुए लिखा है, अपनी परफेक्ट डायमंड एंगेजमेंट रिंग यहां पाइए।

'धुरंधर' के गाने 'शरारत' में आयशा खान क्रिस्टल डिसूजा के साथ नजर आई थीं। गाना जबरदस्त हिट रहा और आएशा को देश भर में पहचान मिल गई। इस गाने को यूट्यूब पर 810 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं।

आएशा खान की पोस्ट में राखी सावंत, अर्चना गौतम, रश्मि देसाई जैसे सेलेब्स ने उन्हें कमेंट कर बधाई दी। रश्मि ने लिखा है, दुआ है तुम्हारे सारे सपने पूरे हों। वहीं अर्चना ने आएशा को मुबारकबाद दी।

पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में आयशा ने कहा था, 'शूटिंग दो दिन चली। यह बहुत ही व्यस्तता भरा था। शूटिंग के दौरान मुझे पीरियड्स हो रहे थे और आप जानते हैं कि आप फूले हुए होने के कारण अपना बेस्ट परफॉर्मेंस नहीं कर पा रहे होते हैं।'

उन्होंने आगे कहा था, 'काश, मैं अपने पूरे जोश में होती। दो दिन में इतना सारा काम था, समय बहुत कम था। हम बहुत थक गए थे, इतना नाचने के बाद हमारी हड्डियां दुख रही थीं।' इस बयान के बाद आएशा खान को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

बिग बॉस 17 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट रहीं, मुनव्वर पर लगाए चीटिंग के आरोप

आएशा खान को बिग बॉस 18 से पहचान मिली थी। वो शो में बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट शामिल हुईं और शो में उन्होंने मुनव्वर फारूकी पर चीटिंग के आरोप लगाए। आएशा ने दावा किया कि मुनव्वर उनके साथ रिलेशनशिप में थे, जबकि बाद में उन्हें पता चला कि वो किसी और लड़की के साथ भी थे। उन्होंने बताया था कि मुनव्वर ने अपनी एक्स वाइफ के साथ भी चीट किया है। आयशा ने यह भी कहा था कि मुनव्वर एक साथ कई लड़कियों के साथ रिश्ते में रहे हैं। आएशा की शो में एंट्री से काफी ड्रामा हुआ था।

अस्पताल में भर्ती, जल्द होगी सर्जरी, अनुराग बसु की फिल्म की शूटिंग रोकी गई

फिल्म सेट पर कार्तिक के घुटने में लगी चोट

> कबीर खान की फिल्म के अलावा कार्तिक के पास कई प्रोजेक्ट हैं। वे अगली बार मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में बनी फैंटेसी-कॉमेडी-एडवेंचर फिल्म 'नागजिला' में दिखाई देंगे। कार्तिक 'कैप्टन इंडिया' का भी हिस्सा हैं, जो उनकी आने वाली फिल्मों में शामिल है।

नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन को फिल्ममेकर कबीर खान की आने वाली अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग के दौरान घुटने में गंभीर चोट लगी है। वे एक एक्शन सीन की शूटिंग कर रहे थे। यह चोट फिल्म की शूटिंग के आखिरी शेड्यूल में लगी। शूटिंग दो दिन बाद पूरी होने वाली थी। चोट लगने के बाद कार्तिक को इलाज के लिए कस्बे के एक अस्पताल ले जाया गया। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक इन मुश्किल एक्शन सीन से पहले एक्शन कोच के साथ कड़ी ट्रेनिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक सीन की शूटिंग करते समय उनके घुटने में चोट लग गई।

प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, "कार्तिक को अब फोर्टिस राहेजा अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर एक दिन बाद उनके घुटने की सर्जरी करेंगे। इसके बाद उन्हें कुछ दिन आराम करना होगा। इसके बाद वे अपने काम की जिम्मेदारियां फिर शुरू कर सकेंगे।" सर्जरी के बाद कार्तिक के ठीक होने के लिए कुछ समय काम से दूर रहने की उम्मीद है। फिट होने के बाद वे अनुराग बसु की अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग फिर शुरू कर सकते हैं। कार्तिक को 'चंदू चैंपियन' में अभिनय के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला है। कार्तिक को 'चंदू चैंपियन' में अभिनय के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला है।

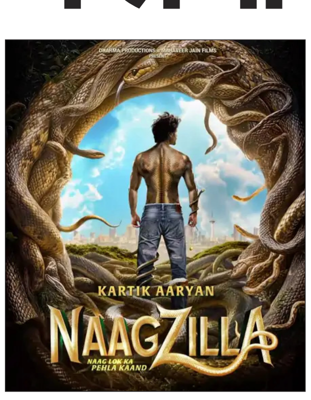

रश्मिका मंदाना को भी शूटिंग के दौरान लगी चोट

फिल्म 'मायसा' की शूटिंग के दौरान डांस सीक्वेंस करते वक्त हाल ही में रश्मिका मंदाना को चोट लगी थी। रश्मिका ने बताया था कि उनके दाहिने हिप को पैर से जोड़ने वाला एक टेंडन अलग हो गया था। इसे दोबारा जुड़ने के लिए रिकवरी और आराम की जरूरत है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मायसा' के डांस सीक्वेंस के दौरान वह फिसल गई थीं। यह उनके करियर की सबसे ज्यादा एग्रेसिव और फिजिकल फिल्मों में से एक बताई जा रही है।

मैं अंधभक्त हूं : ईशा कोप्पिकर

कंगना ने की सराहना, कहा- मुझे देश-लोगों से प्यार, जिंदगी उसी तरह सादगी से जीती हूं

नई दिल्ली। ईशा कोप्पिकर ने हाल ही में एक वीडियो जारी कर खुद को अंधभक्त कहा है। ईशा का वीडियो सामने आने के बाद भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने उनके बयान पर सहमति जताते हुए सपोर्ट किया है।

2019 में भारतीय जनता पार्टी जॉइन करने वालीं ईशा कोप्पिकर ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो जारी कर कहा, 'नमस्ते मैं ईशा कोपिकर अंधभक्त, अगर अपने देश से प्यार करना, भारत से प्यार करना और उसकी प्रगति चाहना भक्ति है, तो हां मैं अंधभक्त हूं। लेकिन मेरी भक्ति किसी पॉलिटिकल पार्टी के लिए नहीं, मेरे देश के लिए है।'

उन्होंने कहा कि वह सरकार से सवाल कर सकती हैं और उसकी नीतियों से असहमत हो सकती हैं। इसके बावजूद वह पूरे दिल से अपने देश से प्यार कर सकती हैं। ईशा ने आगे कहा, 'यह देश मेरा घर है, जहां मैंने अपनी रोजी रोटी कमाई है और कमा रही हूं, और जहां मुझे लगातार मौके मिलते रहे हैं। इसलिए, मुझे अपने देश पर गर्व करने में कोई शर्म नहीं है। आप चाहे कहीं भी रहें, उस जगह से प्यार करना, उसका सम्मान करना और उसमें योगदान देना सीखें। आपने जो घर चुना है, उस पर गर्व करें।' आखिर में ईशा ने कहा, 2 किस्म की औलाद होती है। एक जो ये गिनते हैं कि मां-बाप ने क्या नहीं दिया और दिया। और दूसरे वो जो कुछ भी मिलने पर उससे अपनी और मां-बाप की जिंदगी बेहतर बनाते हैं। फर्क सिर्फ सोच का है। क्यों न हम भी सोच बदले। पूरे समय ये सोचने की बजाए कि देश ने हमें क्या दिया, हम ये सोचें कि हमने देश के लिए क्या किया।' ईशा कोपिकर का ये वीडियो री-शेयर कर कंगना ने तारीफ में लिखा है, वाह! मेरे लिए बहुत अच्छे से समझाया गया है। हाई स्कूल में मैंने उस टीचर के खिलाफ आवाज उठाई, जो बच्चों के सिर पर स्टिक से मारता था। 26/11 के आतंकवादी हमले के खिलाफ आवाज उठाई।निर्भया के साथ हुई बर्बरता के खिलाफ आवाज उठाई। अपने माता-पिता को कभी भी अपनी राह में आने वाली किसी भी सीमा के लिए दोषी नहीं ठहराया, बल्कि अपने लिए वही जीवन स्तर हासिल किया, जो उन्होंने मेरे लिए बनाया था।

ट्रम्प बोले-चुनाव में मेरी जीत हुई थी, धांधली रोकने के लिए कानून बनाऊंगा

'2020 चुनाव में 24,000 गैर-नागरिकों ने वोट डाले'

दावा

डोनाल्ड ट्रम्प ने 24 हजार गैर-नागरिकों के कथित अवैध मतदान का मुद्दा ऐसे समय उठाया है, जब वह सेव अमेरिका ऐक्ट के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। अगर ये कानून पास होता है तो वोटर रजिस्ट्रेशन के समय नागरिकता का प्रमाण देना अनिवार्य होगा।

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दावा किया है कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली हुई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मतदाता और नागरिकता रिकॉर्ड की जांच में 24 हजार से ज्यादा गैर-अमेरिकी नागरिकों के वोट डालने का पता चला है। ट्रम्प ने आगे कहा कि अमेरिकी जनगणना ब्यूरो मतदाता रिकॉर्ड और नागरिकता रिकॉर्ड का मिलान कर रहा है। अब तक 12.8 करोड़ मतदाताओं की जांच की जा चुकी है। अभी 3.2 करोड़ और मतदाताओं के रिकॉर्ड की जांच होनी बाकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, अवैध मतदान के मामलों की संख्या और बढ़ सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2020 के चुनाव में उनकी ही जीत हुई थी। ट्रम्प ने कहा कि चुनाव में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए वे 'सेव अमेरिका एक्ट' लाने वाले हैं। हर राज्य को उसकी आबादी और संसद में उसके प्रतिनिधित्व के आधार पर कुछ इलेक्टोरल वोट मिलते हैं। अमेरिका में सभी राज्यों को मिलाकर 538 इलेक्टोरल वोट हैं। राष्ट्रपति बनने के लिए किसी उम्मीदवार को 270 वोट चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर किसी उम्मीदवार को किसी राज्य में सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं, तो आम तौर पर उस राज्य के सभी इलेक्टोरल वोट उस उम्मीदवार को मिल जाते हैं।

सेव अमेरिका ऐक्ट के लिए समर्थन जुटा रहे ट्रम्प

ट्रंप और उनके समर्थकों का कहना है कि इससे गैर-नागरिकों के मतदान पर रोक लगेगी और चुनावी प्रक्रिया ज्यादा सुरक्षित होगी।

इलेक्टोरल कॉलेज में बाइडेन को 306 वोट जबकि ट्रम्प को 232 वोट मिले। वहां राष्ट्रपति चुनाव का नतीजा इलेक्टोरल वोट से ही तय होता है।

ट्रम्प क्यों उठा रहे हैं यह मुद्दा?

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग के लिए पहचान संबंधी जानकारी देनी होती है। हालांकि पूरे देश में एक जैसा नियम नहीं है। हर राज्य के अपने चुनावी नियम हैं। इसलिए वोट डालने के लिए मांगे जाने वाले दस्तावेज भी राज्य के हिसाब से बदलते हैं। वॉशिंगटन डीसी समेत 15 ऐसे राज्य हैं जहां वोट डालने के लिए फोटो आईडी जरूरी नहीं है। इनमें से ज्यादातर राज्य ऐसे हैं जहां चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत होती है। ट्रम्प और उनकी पार्टी के नेता का आरोप है कि जिन राज्यों में फोटो आईडी जरूरी नहीं है, वहां किसी और के नाम पर वोट डालने या गैर-नागरिकों के मतदान का खतरा रहता है। इसलिए वे सख्त पहचान और नागरिकता जांच की मांग कर रहे हैं।

2020 में राष्ट्रपति चुनाव हार गए थे ट्रम्प

अमेरिका में 2020 का राष्ट्रपति चुनाव जो बाइडेन ने जीता था। उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रम्प को हराया था। इस चुनाव में बाइडेन को 8.1 करोड़ वोट मिले, जबकि ट्रम्प को 7.4 करोड़ वोट मिले।

ईरान के साथ सभी व्यापारिक और वित्तीय लेन-देन पर लगाई रोक

अबू धाबी, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने ईरान के साथ सभी प्रकार के व्यापारिक और वित्तीय लेन-देन को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की घोषणा की है।

UAE के विदेश मंत्रालय की संचार निदेशक अफरा अल हामेली ने कहा कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव को देखते हुए यह सख्त कदम उठाया गया है और यह रोक अगली सूचना तक जारी रहेगी। यह कड़ा फैसला UAE की ओर से ईरान पर समुद्री सीमा के भीतर और बाहर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागने के आरोप के बाद आया है। UAE के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उनकी एयर डिफेंस प्रणाली ने ईरान की तरफ से आती दो बैलिस्टिक मिसाइलों को ट्रैक किया, जो समुद्री जहाजों को निशाना बना रही थीं और समुद्र में गिरीं। इस घटना के दौरान स्थानीय निवासियों को संभावित मिसाइल हमले की चेतावनी देने वाला आपातकालीन फोन अलर्ट जारी कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया। हालांकि, यह अलर्ट कुछ समय बाद हटा लिया गया।

दूसरी ओर, ईरान ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। तेहरान में ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि UAE के दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं ।

फास्ट न्यूज

पहली बार टाटा संस की एनुअल मीटिंग टली

मुंबई । टाटा समूह के मुख्यालय 'बॉम्बे हाउस' में आज 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एनुअल जनरल मीटिंग टल गई है। इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि टाटा संस की एजीएम टली हो। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन बैठक में शामिल होने सुबह ही पहुंच चुके थे, लेकिन कानूनी व तकनीकी अड़चनों के चलते ये बैठक बिना किसी फैसले के स्थगित हो हो गई। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है।

ईरान का सैन्य भंडार भरेगा रूस

मॉस्को। ईरान, अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के दौरान खत्म हुए अपने सैन्य भंडार को फिर से भरने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए रूस कैस्पियन सागर के रास्ते ईरान को विस्फोटक, ड्रोन के पार्ट्स और गोला-बारूद भेज रहा है। NBC न्यूज को मिले और एक पश्चिमी अधिकारी द्वारा पुष्टि किए गए यूरोपीय सरकार के दस्तावेज के अनुसार से जानकारी सामने आई है। NBC को मिले यूरोपीय सरकार के एक आधिकारिक दस्तावेज से पुष्टि हुई है कि इन शिपमेंट्स में TNT, ड्रोन के पार्ट्स और गोला-बारूद शामिल हैं।

'बच्चों पर इंस्ट्राग्राम के असर से वाकिफ था मेटा'

वाशिंगटन। 29 अमेरिकी राज्यों के का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने मेटा पर अंदरूनी रिसर्च को छिपाने का आरोप लगाया है। 'द गार्डियन' की रिपोर्ट के अनुसार, इस रिसर्च में कथित तौर पर पाया गया था कि इंस्टाग्राम किशोरों के लिए लत लगाने वाला हो सकता है। ये आरोप तब लगाए गए जब कैलिफोर्निया के ओकलैंड में एक फेडरल कोर्ट में मेटा के खिलाफ एक बड़ी कानूनी लड़ाई शुरू हुई।

'रुपए को गिरने से बचाने की जरूरत नहीं'

पीएम सलाहकार बोले- मार्केट को तय करने दें करेंसी का स्तर, महंगाई-कंट्रोल करने पर ध्यान दे भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि भारत को रुपए में गिरावट रोकने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। इसके बजाय उसे मार्केट के हिसाब से अपना स्तर तय करने देना चाहिए। वहीं हमारा मुख्य फोकस महंगाई दर को कंट्रोल में रखने पर होना चाहिए।

सान्याल ने कहा कि जब देश ने इन्फ्लेशन टारगेटिंग फ्रेमवर्क को अपनाया था, तब उसने करेंसी एक्सचेंज रेट के ऊपर मॉनेटरी पॉलिसी को चुना था।

संजीव सान्याल ने बताया कि ओपन कैपिटल अकाउंट वाली अर्थव्यवस्थाओं में पॉलिसी मेकर्स के सामने कई चुनौतियां होती हैं।

भारत का फ्रेमवर्क इस सिद्धांत पर आधारित है कि कोई भी देश एक साथ स्वतंत्र मॉनेटरी पॉलिसी चलाने और अपनी करेंसी की विनिमय दर को सख्ती से कंट्रोल करने का काम नहीं कर सकता।

भारत जैसे बड़े और आंतरिक रूप से मजबूत देश के लिए रुपए की दर तय करने के बजाय महंगाई दर को लक्षित करना ही सही कदम है। सान्याल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को रुपए के स्तर में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन्फ्लेशन टारगेटिंग सिस्टम ने देश में बहुत अच्छा काम किया है।

आईसीई ने पूछताछ के बाद किया डिटेन, वेंकटा के पास 2013 से ग्रीन कार्ड

अमेरिका में 27 साल रही भारतवंशी महिला हिरासत में

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में 27 साल से रह रहीं भारतीय मूल की वेंकटा वासमसेट्टी को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (ICE) ने हिरासत में ले लिया। 11 अगस्त को शार्लोट स्थित ICE कार्यालय में नियमित चेक-इन के दौरान पूछताछ के बाद उन्हें डिटेन किया गया।

वेंकटा के पास 2013 से ग्रीन कार्ड है और वह नॉर्थ कैरोलिना के सरकारी स्कूल में स्पेशल-नीड्स बच्चों को पढ़ाती हैं।

वेंकटा के खिलाफ डिपोर्टेशन की कार्रवाई चल रही थी और उन्हें नियमित रूप से ICE के सामने पेश होना पड़ता था। 19 मई को इमिग्रेशन जज ने केस खत्म कर दिया।

जज ने कहा कि सरकार यह स्पष्ट और ठोस सबूत नहीं दे पाई कि वेंकटा को अमेरिका से बाहर किया जा सकता है। इसके बावजूद 11 अगस्त को ICE कार्यालय में चेक-इन के दौरान उन्हें हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल उन्हें जॉर्जिया के इरविन काउंटी डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। वेंकटा को गंभीर डायबिटीज है और उनके वकील के मुताबिक, हिरासत में लिए जाने के समय उनके पास इंसुलिन और जरूरी मेडिकल सप्लाई नहीं थीं।

उनके वकीलों ने हिरासत को फेडरल कोर्ट में चुनौती दी है। 13 अगस्त को जज ने ICE से तीन दिन में यह बताने को कहा कि वेंकटा को हिरासत में रखने का कानूनी आधार क्या है।

वेंकटा का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उनकी दो बेटियां और दो पोते-पोतियां अमेरिकी नागरिक हैं।

भारत जाने के बाद ग्रीन कार्ड पर सवाल उठा

वेंकटा जुलाई 2022 में बीमार माता-पिता की देखभाल के लिए भारत आई थीं। वहां उन्हें कोविड हुआ और करीब दो हफ्ते अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वह फरवरी 2023 में करीब 7 महीने बाद अमेरिका लौटीं।

अमेरिकी अधिकारियों ने उनकी लंबी गैर-मौजूदगी को आधार बनाकर सवाल उठाया कि क्या उन्होंने अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ दिया था।

वेंकटा के वकीलों ने कहा कि उनका घर, नौकरी और परिवार अमेरिका में है और उन्होंने स्थायी रूप से भारत लौटने का इरादा नहीं किया था। ग्रीन कार्डधारक 180 दिन से ज्यादा अमेरिका से बाहर रहें तो इमिग्रेशन अधिकारी यह जांच कर सकते हैं कि उन्होंने अमेरिका को अपना स्थायी घर बनाए रखा है या नहीं।

> **स्पेशल-नीड्स बच्चों के साथ काम करने वाली दादी वेंकटा वासमसेट्टी को तय आईसीई चेक-इन के दौरान हिरासत में लिया गया।**

इमरान से बहन और पत्नी ने की मुलाकात

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अडियाला जेल पहुंचीं, पूर्व पीएम अस्पताल शिफ्ट किए जाएंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी

तस्वीर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनें नोरीन नियाजी (बाएं), अलीमा खानुम (बीच में) और उजमा खानुम की है। (फाइल फोटो)

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहन नोरीन नियाजी और पत्नी बुशरा बीबी ने अडियाला जेल में मुलाकात की। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह मुलाकात हुई। नोरीन 9 महीने बाद इमरान से मिलीं।

करीब 15 मिनट की मुलाकात में परिवार ने इमरान की सेहत के बारे में पूछा। उन्होंने उन्हें सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश की जानकारी भी दी, जिसमें इमरान को इलाज के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल भेजने को कहा गया है।

इमरान और पत्नी बुशरा बीबी की मुलाकात करीब 30 से 35 मिनट चली। मुलाकात के बाद नोरीन ने इमरान से मिलने की पुष्टि की, लेकिन कोर्ट के निर्देश के मुताबिक मीडिया से बात नहीं की।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इमरान के परिवार से हर हफ्ते मुलाकात कराने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा कि परिवार से मिलना कोई एहसान नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार है। अदालत ने पिछले 3 साल में इमरान और उनकी बहनों के बीच हुई मुलाकातों का रिकॉर्ड भी मांगा है। उनके बेटों से हुई बातचीत और फोन कॉल की जानकारी देने को भी कहा गया है। शहबाज सरकार इमरान खान को अस्पताल भेजने के आदेश के खिलाफ रिव्यू पिटीशन दायर करेगी। पाकिस्तान के कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने CNN-न्यूज 18 से कहा कि सरकार ने कोर्ट के आदेश की समीक्षा की है। सरकार का मानना है कि आदेश के कुछ हिस्से मौजूदा कानून के मुताबिक नहीं हैं।

पुलिस ने तीन बहनों में सिर्फ नोरीन को मिलने दिया

नोरीन अपनी बहनों अलीमा खान और उजमा खान के साथ अडियाला जेल के रास्ते में डहगल चेकपॉइंट पहुंची थीं। पुलिस ने तीनों को रोक लिया। बाद में सिर्फ नोरीन को इमरान से मिलने के लिए जेल जाने दिया। करीब 15 मिनट की मुलाकात के बाद नोरीन ने इमरान से मिलने की पुष्टि की। हालांकि, कोर्ट में दिए भरोसे के मुताबिक उन्होंने मीडिया से कोई बात नहीं की।

इमरान को अस्पताल भेजने का भी आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को इलाज और मेडिकल जांच के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल भेजने का आदेश भी दिया है। कोर्ट ने उनके इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड बनाने को कहा है, जिसमें उनके निजी डॉक्टर और बहन डॉ. उजमा खान को शामिल किया जाएगा।

अडियाला जेल की मेडिकल रिपोर्ट में इमरान के ब्लड प्रेशर और तनाव को लेकर चिंता जताई गई थी।

अमेरिका: मछली पकड़ने गई महिला का बेटा नदी में डूबा

बचाने के चक्कर में गई मां की जान

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के इलिनोइस में तीन बच्चों की एक मां अपने सात साल के मासूम बेटे को नदी के तेज बहाव से बचाते हुए खुद डूब गई। 31 वर्षीय एंजेलीना खलीमेंडिक की डूबने से मौत हो गई।

एंजेलीना खलीमेंडिक अपने बच्चों को लेकर इंडिपेंडेंस ग्रोवर फॉरेस्ट प्रिजर्व में डेस प्लेन्स नदी के किनारे मछली पकड़ने गई थीं।

सीबीएस शिकागो की रिपोर्ट के अनुसार, शाम 7 बजे के बाद जब उनका 7 साल का बेटा अचानक फिसलकर पानी के तेज बहाव में बहने लगा, तो एंजेलीना ने बिना अपनी जान की परवाह किए तुरंत नदी में छलांग लगा दी।

खुद पानी में डूबने और फिसलने से ठीक पहले वे अपने बेटे को किनारे खड़े परिवार के एक सदस्य तक सुरक्षित पहुंचाने में सफल रहीं। हालांकि, इस जांबाजी के बाद वे खुद गहरे पानी और तेज बहाव में बह गईं।

जिस समय यह हादसा हुआ, एंजेलीना की 11 साल की बेटी और 9 साल का दूसरा बेटा भी वहां मौजूद था, जबकि उनके पति शहर से बाहर थे।

जब तक फर्स्ट रेस्पॉन्डर्स मौके पर पहुंचते, रिश्तेदार और राहगीर उन्हें पानी से बाहर निकाल चुके थे। उन्हें तुरंत सीपीआर (CPR) दिया गया और एडवोकेट कॉन्डेल मेडिकल सेंटर ले जाया गया।

हालांकि, फेफड़ों में बहुत ज्यादा पानी भर जाने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नाराजगी : पाकिस्तान बोला- इसमें सिर्फ भारत का पक्ष, हकीकत नहीं, 15 अगस्त को रिलीज हुई थी

ऑपरेशन सिंदूर पर बनी डॉक्यूमेंट्री प्रोपेगेंडा

इस्लामाबाद, एजेंसी

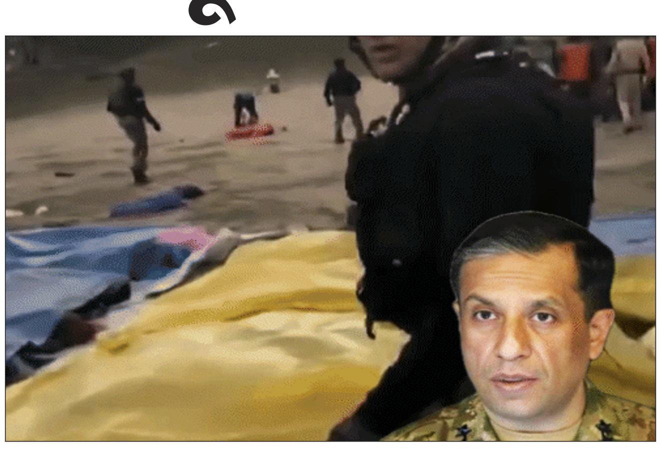

ऑपरेशन सिंदूर पर बनी डॉक्यूमेंट्री को लेकर पाकिस्तान ने नाराजगी जताई है। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने डॉक्यूमेंट्री को प्रोपेगेंडा बताया। उन्होंने कहा कि फिल्म में घटनाओं को भारत के पक्ष में दिखाया गया है और इससे असली घटनाएं नहीं बदल सकतीं।

अहमद शरीफ ने मंगलवार रात करीब 2 बजे सोशल मीडिया X पर यह बयान दिया। उन्होंने डॉक्यूमेंट्री को 'ट्रैजेडी और कॉमेडी' तक बताया। उनका आरोप है कि फिल्म में कुछ चुनिंदा इंटरव्यू, भावुक कहानी और फिल्मी अंदाज का इस्तेमाल किया गया है।

डिक्लासिफाइडः ऑपरेशन सिंदूर नाम से 15 अगस्त को दो पार्ट वाली एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज रिलीज हुई है। इसे वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने बनाया है। यह अमेरिका की एक बड़ी मीडिया और एंटरटेनमेंट कंपनी है। इसे डिस्कवरी चैनल पर रिलीज किया गया है। डॉक्यूमेंट्री में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की 88 घंटे लंबी सैन्य कार्रवाई की योजना और उसे कैसे लागू किया गया है, को दिखाया गया है। इसमें पहली बार कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी कैमरे पर इस ऑपरेशन के बारे में विस्तार से बात करते हैं। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि लड़ाई दोनों देशों के DGMO यानी सैन्य ऑपरेशन के प्रमुख अधिकारियों के बीच बातचीत के बाद रुकी थी। इसलिए इसे भारत की एकतरफा जीत बताना सही नहीं है। पाकिस्तान ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री में एक तरफ भारत की बड़ी और सटीक सैन्य कार्रवाई की बात कही गई है, तो दूसरी तरफ यह भी कहा गया है कि भारत ने लड़ाई को सीमित रखा और पाकिस्तान को पीछे हटने का मौका दिया। पाकिस्तान ने इसे विरोधाभासी दावा बताया। 22 अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव तेजी से बढ़ा। 7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों पर हमला किया।

पाकिस्तान बोला- सैन्य नाकामी को जीत बताया

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के नतीजे को अपनी जीत के तौर पर दिखाया है।

उन्होंने कहा कि फिल्म में कहानी और वीडियो के जरिए सैन्य नाकामी को सफल ऑपरेशन बताया गया है। उनका कहना था कि फिल्म बनाने से उस समय हुई असली घटनाएं नहीं बदल सकतीं।

अहमद शरीफ दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच हुए चार दिन के संघर्ष में उनकी सेना ने 8 भारतीय सैन्य विमान गिराए थे। हालांकि, भारत इन दावों को पहले ही नकार चुका है।

अफगानिस्तान के स्कूल में बम धमाका, कम से कम 42 बच्चे घायल

धमाके में 9 से 14 साल के बच्चे प्रभावित हुए

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान में यूएन मिशन ने मंगलवार को बताया कि काबुल के एक एजुकेशन सेंटर में हुए धमाके में कम से कम 42 बच्चे घायल हो गए हैं। मिशन ने धमाके की वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

अफगानिस्तान में मानवाधिकारों पर यूएन के विशेष दूत रिचर्ड बेनेट ने इससे पहले काबुल के पश्चिमी इलाके दश्त-ए-बरची में एक स्कूल के पास हुए भयानक हमले की निंदा की थी। यह इलाका ऐतिहासिक रूप से सताए गए शिया हजारा समुदाय का घर है। सोमवार को हुए धमाके के शिकार लोगों की उम्र 9 से 14 साल के बीच थी।

न्यूज एजेंसी एएफपी ने बताया, ₹UNAMA ने अभी तक धमाके की परिस्थितियों की पुष्टि नहीं की है। हमले या बिना फटे विस्फोटक दोनों तरह की अलग-अलग रिपोर्टें मिल रही हैं।₹ कई दशकों के संघर्ष के कारण अफगानिस्तान में युद्ध के बाद बचे विस्फोटक पदार्थ बिखरे पड़े हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया भर में हताहत होने वालों की संख्या के मामले में यह देश तीसरे स्थान पर है।

अफगानिस्तान के डायरेक्टरेट ऑफ माइन एक्शन कोऑर्डिनेशन ने घटनास्थल की जांच के बाद बताया कि सोमवार दोपहर स्कूल में एक ग्रेनेड फटा था। यह जानकारी काबुल पुलिस द्वारा पहले दी गई जानकारी से मेल खाती है।

UNAMA ने कहा, ₹हमारी संवेदनाएं घायल बच्चों और उनके परिवारों के साथ हैं। हम इस घटना के हालात का पता लगाने के लिए जांच की मांग करते हैं।

तमसा संकेत

tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533

R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676